राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 27 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-36 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोनिया गांधी का आरोप, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लिए पर्याप्त पैसा नहीं दे रही मोदी सरकार

नई दिल्ली । कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का विषय राज्यसभा में उठाया। सोनिया गांधी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में पारित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का आधार है। इस अधिनियम में अनौपचारिक क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं के लिए प्रति बच्चा 6,000 रुपये की मातृत्व पात्रता शामिल है। हालांकि, 2017 में शुरू की गई प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) का उद्देश्य पात्रता को पूरा करना है, लेकिन यह पहले बच्चे के लिए केवल 5,000 रुपये देती है। उन्होंने कहा कि अगर नवजात लड़की है, तब दूसरे बच्चे के लिए भी इस बढ़ाया जाता है। सोनिया गांधी ने सदन में कहा कि वर्ष 2022-23 के लिए एक सूचित विश्लेषण के अनुसार, करीब 68 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं को अपने पहले जन्मे बच्चे के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की एक किस्त मिली। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष यह संख्या नाटकीय रूप से घटकर केवल 12 प्रतिशत रही। सोनिया गांधी ने इस पर अपनी चिंता जाहिर की। सोनिया गांधी ने कहा कि केंद्र बताएं कि ऐसा क्यों होने दिया गया। इसके साथ ही कहा कि मातृत्व लाभ प्रावधान के पूर्ण कार्यान्वयन के लिए करीब 12,000 करोड़ रुपये के वार्षिक बजट की आवश्यकता है। उन्होंने सदन को बताया कि आश्चर्यजनक रूप से, बजट दस्तावेजों में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लिए आवंटन के बारे में अलग से जानकारी नहीं है। 2025-26 में सामर्थ्य के लिए आवंटन केवल 2,521 करोड़ रुपये है।

अयोध्या राममंदिर में रामलला का रोज होगा सूर्य तिलक, 6 अप्रैल से शुरुआत

अयोध्या। इस वर्ष रामनवमी (6 अप्रैल) से अयोध्या में रामलला का रोज सूर्य तिलक होगा। हर दिन करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के ललाट पर पड़ेंगी। मंदिर ट्रस्ट ने बताया कि यह व्यवस्था अगले 20 साल तक जारी रहेगी। राम मंदिर में पहली बार 17 अप्रैल 2023 को रामनवमी के दिन सूर्य तिलक किया गया था। अब इसे रोजाना करने का निर्णय लिया गया है। इस बीच, राम मंदिर का शिखर लगभग तैयार है और राम दरबार की स्थापना 15 मई तक पूरी हो जाएगी।

कैसे होगा सूर्य तिलक?

आईआईटी रुड़की के सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट ने इसके लिए ऑप्टो-मैकेनिकल सिस्टम तैयार किया है। सूर्य की किरणें गर्भगृह तक पहुंचाने के लिए अष्टधातु के 20 पाइप और 65 फीट लंबा सिस्टम लगाया गया है। किरणों को सही दिशा में लाने के लिए 4 लेंस और 4 मिरर का इस्तेमाल किया जाएगा। हर दिन करीब 4 मिनट तक किरणें रामलला के मस्तक को प्रकाशित करेंगी।

मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक, इस अनोखी व्यवस्था से श्रद्धालुओं को एक दिव्य अनुभव मिलेगा। रामलला के भव्य मंदिर में यह अनूठी वैज्ञानिक तकनीक आस्था और विज्ञान का संगम दर्शाएगी।

संभल हिंसा मामले में नोटिस पर सपा सांसद बर्क़ का बयान....आरोप निराधार, बेंगलुरु में था हिंसा के दौरान

संभल। यूपी एसआईटी की टीम ने मंगलवार रात समाजवादी पार्टी के सांसद ज़ियाउर रहमान बर्क़ के घर पर अदालत का नोटिस सौंपा है। एसआईटी ने यह नोटिस पिछले साल नवंबर में हुई संभल हिंसा के संबंध में पूछताछ के लिए जारी किया है। इस पर सांसद बर्क ने बयान जारी कर कहा कि आरोप निराधार हैं और उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। सांसद बर्क़ ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताते हुए कहा, कि जिस समय यह घटना घटी, तब मैं बेंगलुरु में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ की बैठक में था। अगर मेरा इरादा झगड़ा कराने का होता, तो हिंसा तब होती जब मैं मौजूद था। इसी के साथ ही बर्क ने दावा किया, कि 22 नवंबर को जुमे की नमाज़ के दौरान भी समुदाय ने संयम रखा और कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

मौके पर होता तो माहौल शांत करने संवाद करता

बर्क़ ने प्रशासन पर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया और कहा, कि मेरे रहते ऐसा नहीं होता, क्योंकि मैं दोनों ही पक्षों से संवाद कर माहौल को शांत रखता। सांसद बर्क ने बताया कि उन्हें बीएनएस की धारा 35(3) के तहत नोटिस मिला है और वे 8 अप्रैल को जांच में सहयोग के लिए हाज़िर होंगे। उन्होंने कहा, मैं इस देश का नागरिक भी हूं और सांसद भी, इसलिए हाईकोर्ट के आदेश का पालन करूंगा।

क्या बकवास है, कोर्ट के पास और भी काम है,

कर्नाटक हनी ट्रैप मामले को लेकर क्यों भड़क गया सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कर्नाटक में हनीट्रैप कांड के आरोपों की जांच की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया और इसे राजनीतिक बकवास करार दिया तथा याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने जनहित याचिका की प्रासंगिकता पर सवाल उठाया, खासकर यह देखते हुए कि याचिकाकर्ता झारखंड से था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ÷आप झारखंड के निवासी हैं। उस राज्य में क्या हो रहा है, इस बारे में आप क्यों परेशान हो रहे हैं? वे इस मामले को संभालने में सक्षम हैं।÷ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि हनीट्रैप मामले से जुड़े आरोप गंभीर हैं और न्यायिक जांच की आवश्यकता है। वकील ने तर्क दिया कि हम न्यायपालिका की स्वतंत्रता के बारे में चिंतित हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट इससे सहमत नहीं था। पीठ ने कहा कि उन्हें हनीट्रैप में क्यों फंसना चाहिए? अगर कोई हनीट्रैप बिछाता है और आप उसमें फंस जाते हैं, तो आप खुद के लिए मुसीबत को

आमंत्रित कर रहे हैं। साथ ही पीठ ने कहा कि अदालत के पास राजनीतिक विवादों से ज़्यादा ज़रूरी मामले हैं।

क्या है पूरा मामला

यह विवाद सबसे पहले कर्नाटक विधानसभा में तब शुरू हुआ जब सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने आरोप लगाया कि उन्हें हनीट्रैप में फंसाने की कोशिश की गई थी और विभिन्न दलों के कम से कम 48 राजनीतिक नेता इसी तरह की साजिशों का शिकार हुए हैं। राजन्ना ने पत्रकारों से बात करते हुए ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। अपना अनुभव बताते हुए राजन्ना ने खुलासा किया कि दोनों कथित हनीट्रैप प्रयासों के दौरान, एक ही आदमी हर बार अलग-अलग महिलाओं के साथ था। दूसरी बार आई महिला ने खुद को हाई कोर्ट की वकील बताया। हालांकि, वह वकील का कोट नहीं पहने हुए थी, बल्कि जींस और नीले रंग का टॉप पहने हुए थी। उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें कुछ महत्वपूर्ण और गोपनीय बात करनी है। अगर मैं उनकी तस्वीरें देखूं तो मैं उन्हें पहचान सकता हूं।

माननीयों की सैलरी बढ़ने पर मोदी सरकार का जबाव, महंगाई के कारण हुई बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सांसदों की सैलरी बढ़ने पर जब सवाल उठने पर मोदी सरकार की तरफ से मामले में सफाई आ गई है। मोदी सरकार ने कहा है कि वेतन वृद्धि महंगाई के कारण हुई है। यह 2018 की नीति के मुताबिक हुई है। इस नीति में सैलरी को महंगाई के साथ जोड़ने का नियम है।

सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार का कहना है कि 2018 में बनाया गया नियम सही और पूरी तरह पारदर्शी है। इस नियम के कारण मनमाने तरीके से सैलरी नहीं बढ़ सकती और आर्थिक मामलों में सावधानी बरती होती है। दरअसल, वित्त अधिनियम 2018 में सांसदों के वेतन, भत्ते और पेंशन अधिनियम 1954 में बदलाव किया। बदलाव के बाद सांसदों की सैलरी महंगाई के साथ जोड़ दी गई।

साल 2018 में हुई बदलावों के बाद इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के तहत प्रकाशित कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स (सीआईआई) का इस्तेमाल होता है। सूत्रों के मुताबिक इस बदलाव से पहले, वेतन वृद्धि अचानक होती थी। हर बार संसद से मंजूरी लेनी पड़ती थी। तब बदलाव के पीछे प्रक्रिया को गैर राजनीतिक बनाने और वेतन समायोजन के लिए तंत्र बनाने का तर्क दिया गया था। साल 2018 से पहले आखिरी बार सैलरी में बदलाव 2010 में हुआ था। तब संसद ने सांसदों का मासिक वेतन 16 हजार से बढ़ाकर 50 हजार रुपये करने का बिल पास किया था। इस फैसले की लोगों ने बहुत आलोचना की थी। तब लोगों ने कहा था कि सांसद खुद को 3 गुना वेतन दे रहे हैं।

हालांकि, कुछ नेताओं ने सैलरी 5 गुना तक बढ़ाने की मांग की थी। इसमें मुलायम सिंह यादव और लालू प्रसाद यादव शामिल थे। मुलायम और लालू सहित कई नेताओं का कहना था कि महंगाई बहुत बढ़ गई है इसलिए वेतन भी बढ़ना चाहिए। अब सरकार का मानना है कि 2018 में जो नियम बनाया गया है, वह सबसे अच्छा है। इससे सैलरी में बढ़ोतरी अपने आप हो जाती है।

डिप्टी सीएम शिवकुमार का बीजेपी को चैलेंज, संविधान बदलने वाला बयान करें साबित, ले लूंगा राजनीति से संन्यास

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने भारतीय जनता पार्टी के आरोपों को न सिर्फ सिरे से खारिज किया बल्कि उन्होंने बयान साबित करने की चुनौती भी दे दी है। उन्होंने कहा, कि अगर बीजेपी यह साबित कर दे कि मैंने संविधान बदलने की बात कही थी, तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। मैं पागल नहीं हूं, जो ऐसा कहूंगा।

दरअसल भाजपा के नेताओं ने दावा किया है कि 23 मार्च को एक कार्यक्रम में कर्नाटक के डिप्टी सीएम शिवकुमार ने कहा था कि मुस्लिम आरक्षण के लिए संविधान बदल देंगे। दरअसल, कर्नाटक सरकार ने 7 मार्च को विधानसभा में बजट पेश करते हुए मुस्लिम अल्पसंख्यक कॉन्ट्रैक्टर्स को सरकारी टेंडर में 4 फीसदी का आरक्षण देने की घोषणा की थी। इसके लिए कर्नाटक ट्रांसपेरेंसी इन पब्लिक प्रोक्योरमेंट (केटीपीपी) एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव भी पारित किया गया था।

भाजपा का दावा झूठा

शिवकुमार ने विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा, कि भाजपा जो भी दावा कर रही है, वह पूरी तरह झूठा है। मैं मीडिया और अपने राजनीतिक

साथियों से आग्रह करता हूं कि वे मेरा पूरा बयान देखें। विपक्ष को सच पच नहीं रहा, इसलिए वे इस तरह के दावे कर रहे हैं। अगर मैंने कुछ गलत कहा होता, तो मैं उसे स्वीकार कर लेता।

शिवकुमार ने 24 मार्च को संसद में भी इस मुद्दे को उठाते हुए बीजेपी को घेरा और कहा, कि क्या हमारे नेता मूर्ख हैं? उन्होंने मेरे बयानों की पुष्टि की है। मैंने खुद भी समीक्षा की है और आप भी कर सकते हैं। यह सिर्फ असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की साजिश है।

कर्नाटक में अल्पसंख्यकों को सरकारी टेंडर में 4 फीसदी आरक्षण को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस सरकार का कहना है कि वह संविधान के दायरे में रहकर फैसले ले रही है, जबकि भाजपा इसे तुष्टीकरण की राजनीति बता रही है।

जज के यहां नकदी मिलने के बाद हुई बैठक

उपराष्ट्रपति की बैठक में उठी मांग-पारदर्शिता से हो जजों की नियुक्ति, सभी ने कहा आचार संहिता तय कर सख्ती से पालन कराएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के यहां नगदी मिलने की खबरों के बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस मामले को लेकर बैठक बुलाई। इसमें भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई राजनीतिक दलों के नेता मौजूद थे। सभी ने इस पर चिंता जताते हुए एक ही सुर में कहा कि जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया में सुधार की जरूरत है। न्यायिक जवाबदेही तय होनी चाहिए, लेकिन न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर भी कोई असर न पड़े। बैठक में मौजूद खरगे समेत ज्यादातर नेताओं ने कहा कि जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया में पारदर्शिता होनी चाहिए और उनके व्यवहार को लेकर भी आचार संहिता तय हो और सख्ती से उसे लागू भी किया जाए।

राज्यसभा चेयरमैन जगदीप धनखड़ ने मल्लिकार्जुन खरगे की सलाह पर यह बुलाई गई बैठक में चर्चा के दौरान कॉलेजियम सिस्टम की खामियों पर भी बात हुई, जिसमें जज ही जजों के नामों की सिफारिश करते हैं और उन दिए हुए नामों में से ही किसी एक पर सरकार को मुहर लगानी होती है। विपक्ष

और सत्ता पक्ष के सांसदों ने इस दौरान न्यायिक नियुक्ति आयोग के गठन का भी सुझाव दिया। केंद्र सरकार इस आयोग के गठन का बिल 2014 में ही लेकर आई थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी। तब से ही यह विधेयक सुप्रीम कोर्ट और सरकार के बीच मतभेद का कारण रहा है। अब जस्टिस यशवंत वर्मा वाले मामले से यह मामला फिर से उभरा है।

चारधाम यात्रा में डस्टबिन और गारबेज बैग अनिवार्य, यात्रियों को ट्रक-ट्रैक्टर में भरकर लाने पर रोक

धामी सरकार सभी राज्यों को यातायात से जुड़ी एडवाइजरी जारी करेगी

देहरादून। उत्तराखंड सरकार चारधाम यात्रा के दौरान यातायात नियमों पर सख्ती बरतने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार सभी राज्यों को चारधाम यात्रा के दौरान यातायात से जुड़ी एडवाइजरी जारी करने वाली है। यात्रियों को ट्रक-ट्रैक्टर में भरकर लाने पर रोक लगेगी। दुपहिया वाहनों के जरिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए हेलमेट, रफ्तार व सुरक्षा के सभी मानक सख्ती से लागू होने वाले है। इसके साथ पर्वतीय रूट पर यात्रियों को लेकर आने वाले कामर्शियल वाहनों के ड्राइवर को पर्वतीय रूट पर वाहन चलाने का अनुभव होना अनिवार्य होगा। यात्रा काल के दौरान ही मानसून सीजन भी शुरू होता है। इसके बाद सड़क हादसों के साथ प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से कुछ क्षेत्र अति संवेदनील हो जाते हैं। राज्य में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा के लिए धामी सरकार विशेष एहतियात बरत रही है। सचिव-परिवहन बृजेश कुमार संत ने बताया कि चारधाम यात्रा के दौरान प्रदेश में लाखों की संख्या में श्रद्धालु आएंगे। उनकी सुविधा और सुरक्षा के लिए हर सेक्टर में कम हो रहे हैं। परिवहन विभाग यातायात के लिहाज से कई कदम उठा रहा है। चारधाम रूट पर सभी परिवहन अधिकारियों को जिम्मेदारियां तय कर दी गई है। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा उपाय करने और यातायात नियमों का शतप्रतिशत पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। जल्द ही देश के अन्य राज्यों को भी एडवाइजरी भेजी जाएगी। इसके अलावा यात्रा के दौरान स्वच्छता के लिए वाहनों में डस्टबिन और गारबेज बैग को भी अनिवार्य किया गया।

पाकिस्तान के आर्मी चीफ पर अमेरिका लगा सकता है प्रतिबंध, संसद में हुआ बिल पेश

वाशिंगटन (एजेंसी)। पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर को लेकर ट्रंप सरकार सख्त है और बहुत जल्द अमेरिका प्रतिबंध लगा सकता है। इसके लिए अमेरिकी कांग्रेस में एक बिल पेश किया गया है, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान में राजनीतिक विरोधियों के दमन, विशेष रूप से दुनिया में मशहूर क्रिकेटर और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी को लेकर सैन्य नेतृत्व की जवाबदेही तय करना है।

जानकारी अनुसार पाकिस्तानी आर्मी चीफ से संबंधित बिल रिपब्लिकन सांसद जो विल्सन और डेमोक्रेटिक सांसद जिमी पनेटा द्वारा संसद में पेश किया गया है। यह प्रस्ताव ग्लोबल मैग्निट्स्की ह्यूमन राइट्स अकाउंटेबिलिटी एक्ट के तहत पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों पर

प्रतिबंध लगाने की सिफारिश करता है। अगर यह बिल पास हो जाता है, तो जनरल मुनीर समेत अन्य सैन्य अधिकारियों पर प्रतिबंध लग सकता है और उनकी विदेशों में स्थित संपत्तियां जब्त की जा सकती हैं। इस बिल को डेमोक्रेट सांसद रो खन्ना, इल्हान उमर और रिपब्लिकन सांसद जैक बर्गमैन सहित कुल 10 सांसदों का समर्थन प्राप्त है।

अमेरिकी वीजा पर रोक

बिल के पारित होने पर अमेरिका 180 दिनों के भीतर पाकिस्तान की सैन्य लीडरशिप पर प्रतिबंध लागू करेगा। इसमें उन अधिकारियों की पहचान की जाएगी, जिन्होंने राजनीतिक दमन में भूमिका निभाई है। ऐसे अधिकारियों को अमेरिकी वीजा नहीं मिलेगा और उनके अमेरिका में प्रवेश पर पाबंदी लगाई जाएगी।

पाकिस्तान पर प्रतिबंधों में राहत की संभावना

बिल में यह भी शर्त रखी गई है कि यदि पाकिस्तान में सैन्य सत्ता का दखल कम होता है, तो उस पर पहले से लगे कुछ प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं। इससे पाकिस्तान को आर्थिक और कूटनीतिक राहत मिल सकती है। यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जबकि पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता बनी हुई है और सैन्य हस्तक्षेप पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठ रहे हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग से लड़ने में एआई होगा एक अहम टूल: आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग के बदलते परिदृश्य में नियामकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) जैसी तकनीकों के माध्यम से असेसमेंट फ्रेमवर्क को लगातार मजबूत करना चाहिए।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि टेक्नोलॉजी ने व्यवसाय करने को अधिक सुविधाजनक बनाया है, लेकिन इसके साथ ही, मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध फंडिंग के तौर-तरीके भी अत्याधिक उन्नत हो गए हैं। इस कारण जोखिम आकलन मॉडलों को अधिक प्रभावी और सटीक बनाना आवश्यक हो जाता है। उन्होंने केंद्रीय बैंकों से वित्तीय प्रणाली में नवीनतम रुझानों और अपराधियों द्वारा उपयोग किए जा सकने वाले नए तरीकों को समझने का आग्रह किया।

वित्तीय प्रणाली को संरक्षित करने की जरूरत

मल्होत्रा ने कहा, हम अपनी वित्तीय प्रणालियों को मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी फंडिंग के खिलाफ सुरक्षित और संरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि, हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे उपाय अत्यधिक कठोर न हों, जिससे वैध गतिविधियां और निवेश प्रभावित हों। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंकों को ऐसे नियम और रूपरेखा विकसित करनी चाहिए जो संदिग्ध लेनदेन की पहले ही पहचान कर सकें और समय पर कार्रवाई कर सकें।

तकनीक की भूमिका और डेटा की गुणवत्ता में सुधार

आरबीआई गवर्नर ने डेटा की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि आधुनिक तकनीकों जैसे कि एआई, ब्लॉकचेन और मशीन लर्निंग का उपयोग बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा, इन तकनीकों की मदद से हम लेनदेन की निगरानी और संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने की प्रक्रिया को सटीक बना सकते हैं, जिससे गलतियों, झूठी सकारात्मकता और झूठी नकारात्मकता की घटनाओं में कमी आएगी।

वित्तीय समावेशन और ग्राहक अधिकारों का संरक्षण

मल्होत्रा ने यह भी स्पष्ट किया कि आरबीआई 2027 तक समावेशी क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट की दिशा में जी-20 रोडमैप के अगले चरण को प्रभावी ढंग से लागू करने की प्रतिबद्धता पर काम कर रहा है। उन्होंने

कहा कि नियामकों को वित्तीय समावेशन में अनपेक्षित बाधाएं नहीं उत्पन्न करनी चाहिए और अपराधों की रोकथाम के उपायों को लागू करते समय ग्राहकों के अधिकारों और सुविधाओं का ध्यान रखना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संविधान के नाम पर कांग्रेस का दोहरा रवैया दुर्भाग्यपूर्ण

ललित गर्ग

कांग्रेस का रवैया हर प्रकार से संविधान विरोधी ही रहा है। संविधान को कमजोर करने वाले अनेक प्रयास कांग्रेस समय-समय पर करती आई है। कांग्रेस द्वारा अपने शासनकाल में इस पर संशोधन लाने का प्रयास किया गया कि सरकार संविधान में क्या-क्या परिवर्तन कर सकती है? स्पष्ट है कि कांग्रेस के लिए हमारा संविधान केवल सत्ता को साधने का एक उपकरण मात्र रहा है, संविधान के प्रति सम्मान की भावना कांग्रेस के चरित्र में नहीं है। जबकि वर्ष 2014 में सत्तारूढ़ होने के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार संविधान के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की संकल्पना को पूरा करने के लिए प्रयासरत है।

कांग्रेस एक बार फिर संविधान को लेकर विवादों से घिर गयी है। संविधान के संबंध में कांग्रेस का दोहरा रवैया एवं चरित्र एक बार फिर देश के सामने आया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अक्सर हाथ में संविधान की प्रति लेकर भाजपा पर इसे बदलने का आरोप लगाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय अपनी हर सभा में इस आरोप को दोहराते रहे कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, इसका भाजपा को नुकसान भी उठाना पड़ा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस आज खुद संविधान बदलने की बात कर रही हैं। दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ओबीसी कोटा के तहत पिछड़े मुस्लिमों को आरक्षण देने जा रही है, सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण के संदर्भ में जब उप-मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को यह याद दिलाया गया कि संविधान के तहत मजहब के आधार पर आरक्षण देना मुमकिन नहीं है, तब उन्होंने इशारा किया कि आरक्षण देने के लिए जरूरी बदलाव किए जाएंगे। शिवकुमार के इस बयान के बाद कर्नाटक से लेकर दिल्ली तक फिर संविधान बचाने का सियासी अभियान हावी हो गया है। इस बार भाजपा आक्रामक है और उसने फिलहाल इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। इस वर्ष बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव का यह अहम मुद्दा बन जाये तो कोई आश्चर्य नहीं है।

मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये कांग्रेस सरकारें अपने-अपने राज्यों में अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं योजनाएं लागू करती रही हैं, कर्नाटक में भी वहां के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने सरकार का बजट पेश करते हुए मुस्लिमों के लिए कई घोषणाएं की। सीएम ने ऐलान किया कि सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में से 4 प्रतिशत अब श्रेणी-प्प बी के तहत मुसलमानों के लिए आरक्षित होंगे। सरकार ने कहा कि मुस्लिम लड़कियों के लिए 15 महिला कॉलेज खोले जाएंगे। इसका निर्माण वक्फ बोर्ड की ही जमीन पर किया जाएगा, लेकिन सरकार इस पर पैसा खर्च करेगी। मौलवियों को 6000 मासिक भत्ता देने की भी व्यवस्था इस बजट में की गई है। कर्नाटक सरकार के बजट में दलितों और पिछड़ों के कल्याण के लिए समुचित बजट आवंटित नहीं हुआ लेकिन मुस्लिम तुष्टिकरण के चलते मुस्लिमों के लिये लुभावना बजट आवंटित किया गया है। जबकि सरकारों का काम किसी धर्म एवं समुदाय विशेष का तुष्टिकरण न होकर सभी समुदायों का पुष्टीकरण होना चाहिए। जब संविधान में धर्म आधारित आरक्षण का निषेध किया गया है तो फिर जानबूझकर कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा इसे सूचीबद्ध

करके विधि सम्मत क्यों बनाया जा रहा है?

दरअसल, भाजपा और कांग्रेस, दोनों देश की प्रमुख पार्टियों को यह एहसास हो चला है कि संविधान इस देश में बहुत संवेदनशील विषय है और इस पर लोग कतई समझौता नहीं करेंगे। संविधान केवल न्यायिक या वैधानिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि वह भारत की जनता की आशाओं एवं आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। इस अर्थ में यह देश के जन-जन के मन का दस्तावेज है। संविधान भारत में सभी नागरिकों के लिए दिग्दर्शक तत्व है। इसलिए, प्रश्न यह उठता है कि जब संविधान इतना स्पष्ट है तो क्या संविधान की मूल भावना पर केवल राजनीतिक स्वार्थ के लिए आघात करना स्वस्थ लोकतंत्र का लक्षण है? दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पवित्र ग्रंथ पर भी विपक्षी दल एवं कांग्रेस अत्यंत निकृष्ट राजनीति करती जा रही है। जो कांग्रेस शासन में रहते हुए कभी संविधान का सम्मान नहीं कर सकी, वह आज विपक्ष में बैठकर यह भ्रम फैलाने में लगी है कि मोदी सरकार संविधान को खत्म कर देगी। सच तो यह है कि कांग्रेस जैसे दल आज अपने मूल राजनीतिक विचार को खो बैठे हैं। कांग्रेस अपने गांधीवादी विचार और समाजवादी पार्टी जैसे दल समाजवाद और राम मनोहर लोहिया के मूलभूत विचारों को भूल चुके हैं। संविधान को आधार बनाकर विपक्षी दल जनता को विभाजित करने, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने बाज नहीं आ रहे हैं। आश्चर्य नहीं, कांग्रेस ने संविधान को लेकर जो हथियार चलाया था, वही हथियार कर्नाटक में स्वयं कांग्रेस के विरुद्ध चला गया है। अब इससे होने वाले नुकसान का भान होते ही कांग्रेस तत्काल बचाव में लग गई। वैसे, शिवकुमार के स्पष्टीकरण के बावजूद भाजपा इस मुद्दे पर निशाना साध रही है, तो संकेत साफ है, वह सियासत का मौका जाने नहीं देना चाहेगी। वह संविधान बदलने और न बदलने पर फिर से गर्म हुई राजनीति को ठंडा नहीं होने देगी। बीते लोकसभा चुनाव में जहां भाजपा निशाने पर थी, वहीं इस बार कांग्रेस निशाने पर आ गई है। लोकसभा-राज्यसभा में एवं इस वर्ष बिहार में होने वाले चुनावों में भाजपा कांग्रेस पर आक्रामक रहेगी। अब तो तीर कमान से निकल चुका है, भले ही अब कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार सफाई देने में लगे हैं कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और वह संविधान में बदलाव का प्रस्ताव कभी नहीं रखेंगे। स्पष्ट है कि हमारा संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण का पक्षधर नहीं है। डॉ. भीमराव आंबेडकर भी ऐसे आरक्षण के हिमायती नहीं थे। संविधान सभा में एकमत के साथ यह तय हुआ था कि धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं दिया जाएगा। अब अगर ऐसे आरक्षण की जरूरत पड़ने लगी है, या कांग्रेस मुसलमानों के वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिये आरक्षण का हथियार चलाती है तो संविधान में संशोधन तो करना ही होगा। अपने आजाद देश में जरूरतमंदों को आरक्षण देने के लिए करीब 12 बार संविधान में संशोधन किए गए है और मुस्लिमों को महज मजहबी बुनियाद पर आरक्षण देने के लिए भी ऐसी जरूरत पड़ेगी।

गांधी परिवार के अत्यंत करीबी कर्नाटक के डिप्टी सीएम के बयान को सुनकर लोग हैरत में हैं। लोग संविधान के खिलाफ धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कांग्रेस की कोशिश का विरोध कर रहे हैं। धर्म के आधार पर मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में संविधान की धज्जियां उड़ा दी है।ह्ल कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये देश को दांव पर लगाती रही है। एक बार फिर उसकी इस कोशिश से उसका असली चेहरा देश के सामने आया है। कांग्रेस भारत के संविधान के साथ खिलवाड़ कर रही हैं, मुस्लिम आरक्षण को संविधान में जगह देकर संविधान निमार्ता बाबा साहेब अंबेडकर के खिलाफत की जा रही है। मुस्लिमों को आरक्षण असंवैधानिक हैं। कांग्रेस बार-बार मुस्लिम आरक्षण की वकालत कर संविधान की मूल भावना को चुनौती दे रही है। मुस्लिम वोटबैंक के लिए ऐसा किया जाना संविधान की मूल भावना से खिलवाड है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस पार्टी का रवैया आरक्षण को लेकर समय-समय पर बदलता रहा है। कभी उसने संविधान संशोधन की बात की, तो कभी आरक्षण का विरोध किया, तो कभी धर्म के आधार पर आरक्षण देने के प्रयास भी किए। आपातकाल के काले दौर में कांग्रेस द्वारा ऐसा भी किया गया, जब इंदिरा गांधी सरकार ने संविधान की मूल प्रस्तावना ही बदल डाली। कांग्रेस नेता संविधान की किताब जेब में रखते हैं, लेकिन इसे कमजोर करने के लिए हरसंभव कोशिश भी करते हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष को पार्टी की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और देश को बताना चाहिए कि कांग्रेस मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए संविधान में बदलाव क्यों करना चाहती है?

कांग्रेस का रवैया हर प्रकार से संविधान विरोधी ही रहा है। संविधान को कमजोर करने वाले अनेक प्रयास कांग्रेस समय-समय पर करती आई है। कांग्रेस द्वारा अपने शासनकाल में इस पर संशोधन लाने का प्रयास किया गया कि सरकार संविधान में क्या-क्या परिवर्तन कर सकती है? स्पष्ट है कि कांग्रेस के लिए हमारा संविधान केवल सत्ता को साधने का एक उपकरण मात्र रहा है, संविधान के प्रति सम्मान की भावना कांग्रेस के चरित्र में नहीं है। जबकि वर्ष 2014 में सत्तारूढ़ होने के बाद से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार संविधान के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की संकल्पना को पूरा करने के लिए प्रयासरत है। भारतीय संविधान और लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की मंशा से प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं।

संपादकीय

बर्दाश्त की हद

स्टैंड्अप कॉमेड़ियन कुणाल कामरा के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोपों के बाद मुंबई पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। मुंबई के खार इलाके के हैबिटेड़ कॉमेड़ी क्लब में इंड़ियाज गॉट लैटेंट में यह कार्यक्रम शूट किया गया था। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर पॉपुलर गाने की पैरोड़ी बना कर गद्दार कटाक्ष करने के आरोपों के बाद शिवसैनिकों ने तोड़फोड़. और हंगामा किया। 19 शिवसैनिकों पर नामजद और 15-20 अज्ञात के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई। कामरा ने बयान जारी कर तोड़-फोड़. की निंदा की तथा कहा कि वह शिंदे पर की टिप्पणी पर माफी नहीं मांगेंगे। यू-टज्ब पर पोस्ट की गई ३६ वर्षीय कामरा की टिप्पणी छत्तीस लाख बार से ज्यादा देखी जा चुकी है और सोशल मीड़िया पर वायरल हो रही है। बयान में कामरा ने इस टिप्पणी के लिए कहा है कि यह पहले अजित पवार कह चुके हैं। मैं भीड़.से नहीं ड़रता और पलंग के नीचे छिप कर मामला शांत होने का इंतजार नहीं करूंगा। कॉमेड़ियन ने तंज करते हुए लिखा, कॉमेड़ियन के कहे शब्दों के लिए किसी जगह को नुकसान पहुंचाना बिल्कुल वैसे ही है, जैसे आपको चिकन नहीं परोसा जाए तो आप टमाटर का ट्रक पलट दें। कामरा ने मीड़िया को भी निशाना बनाते हुए टिप्पणी की है, ईमानदारी से इस तमाशे की रिपोट्टिग करेंड्ड याद रखें, प्रेस की आजादी के मामले में भारत 159वें स्थान पर है। शिंदे ने व्यंग्य की सीमा तय करने की बात कहते हुए इसे किसी के खिलाफ बोलने की सुपारी लेने जैसा कहा। पैरोड़ी में किसी विशेष को संबोधित नहीं किया गया है। इसलिए इस कदर त्योरियां चढ़ाना जज्ब नहीं होता। सत्ता और राजनीतिज्ञों की हालिया पौध में बर्दाश्त इस कदर खत्म होरूचुकी है कि आलोचना, व्यंग्य या मसखरी बर्दाश्त करने को राजी नहीं हैं। याद रखना होगा कि विरोधियों या आलोचकों की जुबान पर ताले नहीं जड़े.जा सकतेड्ड जनता का एक हिस्सा उनके पक्ष में रहता है। प्रेस या अभिव्यक्ति की आजादी पर बखान करना आसान है, जिसे लेकर अक्सर बातें बनाई जाती हैं। मगर यह रचनात्मक आपातकाल सरीखा माहौल रचा जा रहा है। जहां बोलने, लिखने, गाने, अभिनय पर नजर रखी जा रही है। जो बात या विधा अखरती है, उसके खिलाफ शालीनतापूर्वक न्यायिक और कागजी कार्रवाई करने को सरकारी तंत्र स्वतंत्र है। विरोधस्वरूप उपद्रव या कानून को हाथ लेना भी सरकार विरोधी काम ठहराया जा सकता है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं।

किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रघ्संहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं।

जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं।

जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

अस्पतालों में बिना जरूरत के बढ़ते सीजेरियन

प्रियंका सौरभ

यह सच है कि कुछ निजी अस्पताल अधिक मुनाफे के लिए अनावश्यक सीजेरियन कर रहे हैं, लेकिन सभी को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। समाधान के लिए महिलाओं की जागरूकता, डॉक्टरों की नैतिक ज़िम्मेदारी और सरकारी नियमों की जरूरत है। कुछ सवाल है जिनके जवाब सबको मिलकर ढूँढने जरूरी है? क्या यह महिलाओं की जरूरत के हिसाब से बढ़ा है या अस्पतालों की कमाई का जरिया बन गया है? क्या डॉक्टर्स अपनी सुविधा के लिए बिना जरूरत सीजेरियन कर रहे हैं? क्या महिलाएँ खुद सीजेरियन को प्राथमिकता दे रही हैं, क्योंकि वे दर्द से बचना चाहती हैं? क्या महिलाओं को बिना उनके विकल्पों की सही जानकारी दिए सीजेरियन के लिए प्रेरित किया जाता है? सीजेरियन अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन जब यह व्यावसायिक फायदे के लिए या बिना ठोस मेडिकल वजह के किया जाता है, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। सही जागरूकता और जिम्मेदारी से इसका उपयोग होना चाहिए।

क्या आपको मालूम है कि सिजेरियन डिलीवरी, या सी-सेक्शन, दुनिया में सबसे अधिक की जाने वाली सर्जरी है? सीजेरियन सेक्शन बनाम नार्मल डिलीवरी का विषय काफी चर्चा में रहता है, खासकर तब जब इसका जरूरत से ज्यादा उपयोग होने लगे। कुछ लोग इसे एक बिजनेस मॉडल मानते हैं, तो कुछ इसे मेडिकल साइंस की उपलब्धि के रूप में देखते हैं। सीजेरियन सेक्शन एक सर्जिकल प्रक्रिया है, जो तब की जाती है जब सामान्य (नार्मल) डिलीवरी संभव न हो या माँ और बच्चे के स्वास्थ्य के लिए जोखिम हो। लेकिन आजकल कई जगहों पर यह मेडिकल जरूरत से ज्यादा किया जा रहा है, खासकर निजी अस्पतालों में, जहाँ इसे जल्दी और सुविधाजनक समाधान के रूप में देखा जाता है। सीजेरियन अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन जब यह व्यावसायिक फायदे के लिए या बिना ठोस मेडिकल वजह के किया जाता है, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। सही जागरूकता और जिम्मेदारी से इसका उपयोग होना चाहिए। पिछले कुछ सालों में भारत सहित कई देशों में सीजेरियन की दर तेजी से बढ़ी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, केवल 10-15% मामलों में सीजेरियन आवश्यक होता है, लेकिन कई देशों में यह दर 50% या उससे अधिक हो चुकी है। भारत में कई निजी अस्पतालों में यह दर 50-80% तक देखी गई है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के निजी अस्पतालों में सीजेरियन डिलीवरी की दर 40-50% तक पाई गई, जबकि सरकारी अस्पतालों में यह लगभग 20-25% थी। स्वास्थ्य बीमा योजना और जननी-शिशु सुरक्षा कार्यक्रम जैसी योजनाओं में बिना आवश्यकता के मरीजों की सर्जरी कर दी जाती है, क्योंकि ऐसी योजनाओं में या तो प्रोत्साहन राशि मिलती है, या फिर बीमा कंपनी को लाभ होता है। इनमें सिजेरियन, हार्निया, गॉलब्लेडर, अपेंडिक्स आदि से सम्बंधित मामले अधिक हैं। यह दुखद है, क्योंकि ऐसे मामलों में सबसे ज्यादा शोषण गर्भवती महिलाओं का होता है। सीजेरियन डिलीवरी का खर्च सामान्य डिलीवरी से 2-5 गुना अधिक होता है, जिससे अस्पतालों को अधिक मुनाफा होता है। नार्मल डिलीवरी में घंटों का समय लग सकता है, जबकि सीजेरियन एक तय समय में पूरा किया जा सकता है, जिससे अस्पतालों और डॉक्टरों को कम समय में अधिक डिलीवरी करने का मौका मिलता है। कुछ डॉक्टर निजी अस्पतालों में अपनी सुविधा के अनुसार डिलीवरी शेड्यूल करना पसंद करते हैं। कुछ महिलाओं को लेबर पेन का इतना डर होता है कि वे खुद सीजेरियन करवाने के लिए तैयार हो जाती हैं। कई बार मरीजों को डराकर यह बताया जाता है कि बच्चा खतरे में है, जिससे वे सीजेरियन के लिए मजबूर हो जाती हैं।

कई मामलों में सीजेरियन जरूरी होता है, जैसेः बच्चे की पोज़िशन सही न हो, जैसे ब्रीच पोज़िशन। डिलीवरी के दौरान जटिलताएँ हो जाएँ, जैसे प्लेसेंटा प्रीविया, गर्भनाल का फँसना। माँ को गंभीर स्वास्थ्य समस्या हो, जैसे हाई बीपी, डायबिटीज, हृदय रोग। बच्चे को ऑक्सीजन की कमी हो और तुरंत डिलीवरी जरूरी हो। पहले भी सीजेरियन हो चुका हो और नार्मल डिलीवरी सुरक्षित न हो। लेकिन जब बिना किसी ठोस मेडिकल वजह के सिर्फ. पैसे कमाने के लिए सीजेरियन किया जाए, तो यह नैतिक रूप से गलत है। कई प्राइवेट अस्पताल सीजेरियन को प्राथमिकता देते हैं क्योंकि यह जल्दी हो जाता है और अधिक खर्च आता है। महिलाओं का डर और जागरूकता की कमी के चलते कई महिलाएँ दर्द से बचने के लिए सीजेरियन चुन लेती हैं, जबकि नार्मल डिलीवरी अधिक लाभदायक होती है। महिलाओं को इस बारे जागरूक किया जाए, ताकि वे नार्मल डिलीवरी को प्राथमिकता दें। डॉक्टर्स को ज़िम्मेदारी से काम करना चाहिए, सिर्फ. जरूरत पड़ने पर ही सीजेरियन करना चाहिए। प्राकृतिक तरीकों को बढ़ावा दिया जाए, जैसे गर्भावस्था के दौरान योग और सही डाइट ताकि नार्मल डिलीवरी आसान हो सके।

इन सबके साथ-साथ सरकार को सख्ती से नियम लागू करने चाहिए, ताकि अनावश्यक सीजेरियन कम हों। नार्मल डिलीवरी को प्राथमिकता दें, जब तक कि मेडिकल कारण से सीजेरियन जरूरी न हो। गर्भावस्था के दौरान योग, सही खान-पान और व्यायाम करें, ताकि नार्मल डिलीवरी की संभावना बढ़े। अस्पतालों को अपने सीजेरियन और नार्मल डिलीवरी की दरें सार्वजनिक करनी चाहिए। महिलाओं को सीजेरियन की सिफारिश मिलने पर दूसरे डॉक्टर से सलाह लेने की आदत डालनी चाहिए। सरकार को निजी अस्पतालों में अनावश्यक सीजेरियन रोकने के लिए सख्त नियम बनाने चाहिए। महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान सही जानकारी दी जानी चाहिए ताकि वे डॉक्टर के निर्णय को समझ सकें और सवाल पूछने में हिचकिचाएँ नहीं। अस्पतालों को नार्मल डिलीवरी को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन दिया जाए।

भारत में गर्मी का जल्दी आना और लू का बढ़ना

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में लू की घटनाएँ जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से बढ़ रही हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, मैदानी इलाकों में जब तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है और यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसे लू के रूप में परिभाषित किया जाता है। 2024 में भारत ने 554 लू के दिन अनुभव किए, जबकि 2023 में यह संख्या 230 थी। यह वृद्धि कृषि, जल उपलब्धता और सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है, जिससे तत्काल शमन उपायों की आवश्यकता है। फरवरी, जो आमतौर पर सर्दियों का महीना होता है, अब अत्यधिक गर्मी का अनुभव कर रहा है। ओडिशा, तेलंगाना और महाराष्ट्र में फरवरी 2025 में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया, जो जलवायु परिवर्तन की ओर इशारा करता है। उदाहरणः फरवरी 2025 में मुंबई ने 38.7 डिग्री सेल्सियस का तापमान दर्ज किया, जो पांच वर्षों में सबसे गर्म फरवरी का दिन था। इसने दैनिक जीवन को बाधित किया और गर्मी से संबंधित बीमारियों में वृद्धि की। वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार और तीव्र हीटवेव देखी जा रही हैं, जिससे जनसंख्या पर भारी दबाव पड़ रहा है। रात के तापमान में भी अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। 31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सामान्य से 1त्ड अधिक रात का तापमान दर्ज किया गया, जबकि 22 राज्यों में 3त्ड-5त्ड की वृद्धि देखी गई। दिल्ली में 2024 में 74 वर्षों की सबसे गर्म फरवरी की रात दर्ज की गई, जिससे कमजोर वर्ग के लिए रिकवरी का समय कम हो गया। समुद्री हीटवेव अंतर्देशीय तापमान को बढ़ाती हैं और मानसून के पैटर्न को प्रभावित करती हैं। 2023 में बंगाल की खाड़ी में समुद्री हीटवेव के कारण पूर्वी भारत में मानसून में देरी हुई और प्री-मानसून गर्मी बढ़ी। कंक्रीट संरचनाएँ, कम हरियाली और प्रदूषकों की उपस्थिति से शहरी क्षेत्रों में गर्मी अधिक रहती है। अप्रैल 2023 में अहमदाबाद के शहरी क्षेत्रों में तापमान आसपास के ग्रामीण इलाकों से 3-4 डिग्री सेल्सियस अधिक था।

राज्यों के बीच समन्वय सुनिश्चित करते हुए राष्ट्रीय अनुकूलन योजना में हीटवेव शमन को शामिल करना आवश्यक है। अहमदाबाद की हीट एक्शन प्लान (2013) हर साल 1190 मौतों को रोकने में मदद करता है। शहरी नियोजन में हरित इमारतों, निष्क्रिय शीतलन और गर्मी प्रतिरोधी सामग्रियों का उपयोग बढ़ाना चाहिए। तेलंगाना की कूल रूफ नीति (2021) ताप-परावर्तक छतों को बढ़ावा देती है, जिससे इनडोर तापमान कम होता है। वृक्षारोपण, छत पर बागवानी और जल निकायों के संरक्षण से तापमान कम किया जा सकता है। दिल्ली की शहरी वन पहल ने कई हॉटस्पॉट में स्थानीय तापमान को 2-3 डिग्री सेल्सियस तक कम किया। स्थानीय मौसम निगरानी, हीटवेव पूवार्नुमान और शहरी हीट आइलैंड मानचित्रण का विस्तार किया जाना चाहिए। कमजोर श्रमिकों के लिए हीट इंश्योरेंस, समायोजित कार्य घंटे और शीतलन आश्रय सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। राजस्थान के हीट इंश्योरेंस पायलट (2023) ने अत्यधिक गर्मी वाले दिनों में दैनिक वेतनभोगी श्रमिकों को वित्तीय मुआवजा प्रदान किया। अत्यधिक गर्मी के कारण स्कूलों में गर्मी की छुट्टियाँ लंबी हो सकती हैं, जिससे पाठ्यक्रम पूरा करना मुश्किल हो जाता है। कई स्कूलों में पर्याप्त शीतलन व्यवस्था नहीं होती, जिससे छात्रों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। परीक्षा के समय लू पड़ने से छात्रों का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। अत्यधिक गर्मी के कारण श्रमिकों की उत्पादकता में कमी आती है, खासकर निर्माण, खेती और अन्य बाहरी कामों में। बिजली की खपत बढ़ने से ऊर्जा संकट उत्पन्न हो सकता है, जिससे बिजली कटौती बढ़ती है। हीटवेव के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ बढ़ती हैं, जिससे अस्पतालों पर दबाव बढ़ता है और स्वास्थ्य सेवा का खर्च बढ़ जाता है। झीलों, तालाबों और नदियों का जल स्तर तेजी से गिरता है, जिससे पेयजल की समस्या गहराती है। भूजल स्तर में गिरावट होती है, जिससे सिंचाई और पेयजल की आपूर्ति प्रभावित होती है। जंगलों में आग लगने की घटनाएँ बढ़ती हैं, जिससे जैव विविधता को नुकसान होता है। गर्मी के कारण कई पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं का पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है। गेहूं, धान और अन्य प्रमुख फसलों की पैदावार में गिरावट आती है, जिससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है। अत्यधिक गर्मी और जल संकट के कारण पशुपालन भी प्रभावित होता है। अधिक गर्मी सहने वाली और कम पानी में पनपने वाली फसलों का विकास और उपयोग किया जाए। किसानों को माइक्रो-इरिगेशन तकनीक (टपक सिंचाई) अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। हरी छतें, जलाशयों और खुले हरे क्षेत्रों को बढ़ावा देना। सार्वजनिक स्थलों पर पेड़ों की छाया और वाटर स्प्रे सिस्टम लगाना। स्मार्ट शहरों में तापमान अनुकूलन तकनीकों को अपनाना। हीट-रेसिस्टेंट निर्माण सामग्री और ऊर्जा-कुशल डिजाइन को बढ़ावा देना। समुद्र के तापमान को नियंत्रित करने के लिए वैश्विक और क्षेत्रीय प्रयासों को मजबूत करना। तटीय इलाकों में मैंग्रोव वनों को पुनर्जीवित करना, जो प्राकृतिक रूप से तापमान को संतुलित करने में सहायक होते हैं। यूरोप का हीट एक्शन प्लानः फ्रांस और स्पेन ने हीटवेव के दौरान कूलिंग सेंटर और सार्वजनिक अलर्ट सिस्टम लागू किए हैं। ऑस्ट्रेलिया का जल प्रबंधनः सूखा-प्रभावित क्षेत्रों में जल संचयन और संरक्षण के लिए प्रभावी नीतियाँ लागू की गई हैं। अमेरिका का ह्यग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चरह्ल प्रोग्रामः शहरी इलाकों में हरियाली और छायादार क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएँ चलाई जा रही हैं।

भारत में बढ़ती गर्मी और लू के प्रभावों को कम करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। इसके लिए सरकार, समाज और वैज्ञानिक समुदाय को मिलकर दीर्घकालिक समाधान विकसित करने होंगे। जलवायु अनुकूलन, स्मार्ट शहरी योजना, कृषि नवाचार और वैश्विक सहयोग से ही इस चुनौती से निपटा जा सकता है। गर्मी की लहरों के बढ़ते खतरे के कारण जलवायु-अनुकूलन योजनाओं को लागू करना आवश्यक हो गया है। प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, हीट एक्शन प्लान और लचीले बुनियादी ढांचे को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। शहरी हरियाली, परावर्तक छतें और टिकाऊ जल प्रबंधन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। साथ ही, महात्मा गांधी नरेगा जैसी योजनाओं का विस्तार और शीतलन-केंद्रित शहरी नीतियों को लागू करना सार्वजनिक स्वास्थ्य, आजीविका और भविष्य की स्थिरता को सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एअर इंडिया ने अपने कर्मचारियों के लिए बनाई एक नई यात्रा नीति

मुंबई। भारतीय विमानन कंपनी एअर इंडिया ने अपनी कर्मचारियों के लिए एक नई यात्रा नीति का ऐलान किया है, जिसके तहत कंपनी के सीईओ, शीर्ष अधिकारी और वरिष्ठ कमांडर इकोनॉमी क्लास में यात्रा करेंगे। यह नीति अगले महीने से चरणबद्ध तरीके से लागू होगी। इस नीति के अनुसार, शीर्ष प्रबंधन के लिए यह विवरण 1 अप्रैल से लागू होगा, जबकि वरिष्ठ कमांडरों के लिए यह 1 जून से प्रभावशाली होगी। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि इस नीति का मकसद है कंपनी की प्रीमियम सीटें उपलब्ध रखना ताकि ग्राहकों को सुविधा मिले। नई एअर इंडिया की इस सिर्फ कर्मचारियों के लिए नहीं, बल्कि ग्राहकों के लिए भी एक चुनौतीपूर्ण अवसर है जो कंपनी की प्रगतिशील सोच और ग्राहक-केंद्रित संस्कृति को दर्शाती है। इसके साथ ही नीति में अपग्रेड विकल्प भी शामिल है जो ग्राहकों को बेहतर सुविधा प्रदान करता है।

ओरिक्स इंडिया को 300 करोड़ का मिला इक्विटी निवेश

नई दिल्ली। ओरिक्स कॉर्पोरेशन ने अपनी भारतीय सहायक कंपनी ओरिक्स कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड में विकास और विस्तार करने के लिए 300 करोड़ रुपये का इक्विटी निवेश किया है जो भारत के तेजी से बढ़ते मोबिलटी और वित्तीय सेवा क्षेत्रों के लिए है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि यह निवेश भारत में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने और ओरिक्स इंडिया के लीजिंग, मोबिलिटी और वित्तीय सेवा व्यवसायों के विस्तार में तेजी लाने के उसके दृष्टिकोण को रेखांकित करता है।

उतार-चढ़ाव भरे बाजार में सुरक्षित दाव माने जाते हैं हाइब्रिड फंड

नई दिल्ली। बाजार उतार-चढ़ावबीच म्यूचुअल फंड की हाइब्रिड श्रेणी से निवेशकों ने फरवरी में 21,657 करोड़ निकाले हैं। जनवरी में 26,202 करोड़ निकाले गए थे। बताया गया है कि फरवरी में हाइब्रिड श्रेणी ने 28,461 करोड़ जुटाए हैं। इसका मतलब निवेशक अत्यधिक अस्थिर बाजार के बीच हाइब्रिड में निवेश बनाए रखे हैं। निवेशकों ने फरवरी में 9.87 लाख करोड़ रुपये के फंड को भुना लिया है। इस दौरान 10.27 लाख करोड़ जुटाए गए जो जनवरी में 12.17 लाख करोड़ था। उतार-चढ़ाव भरे बाजार में हाइब्रिड फंड सुरक्षित दांव माने जाते हैं। ये इक्विटी, डेट व कमोडिटीज का मिला जुला पोर्टफोलियो होता है, इसलिए निवेशक बाजार में गिरावट के बावजूद अच्छे रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। इक्विटी, डेट व कमोडिटीज में एक निश्चित राशि के आवंटन का पालन करने वाले निप्पॉन इंडिया मल्टी एसेट जैसे फंड वर्तमान बाजार में निवेश के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं, क्योंकि ये फंड कुछ समय से नई ऊंचाई छू रहे सोने में भी निवेश करते हैं। निप्पॉन के अलावा, एडलवाइस व इनवेस्को के हाइब्रिड फंड भी गिरते बाजार में रिटर्न दिए हैं। एक साल में हाइब्रिड फंड लगभग दो अंकों के रिटर्न के साथ सबसे आगे हैं।

निफ्टी ने रिकवरी के बाद मुनाफावसूली के दौर में किया प्रवेश

नई दिल्ली। एनएसई का निफ्टी कुछ समय बाद स्थिर हो गया है, जब वह 21,964 के निचले स्तर से 1,900 से अधिक अंकों की रिकवरी का सामना कर रहा है। हालांकि, शेयर की कीमत बड़े कंसोलिडेशन से बाहर निकलने के कगार पर है और इंडेक्स का ओवरऑल रुझान तेजी का बना हुआ है। तकनीकी चार्ट एक स्थायी अप ट्रेंड का संकेत दे रहा है, जब डेली रेलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स 50 से ऊपर है। शेयर की तरफ़दारी करते हुए, 23,400 को सपोर्ट प्रदान करना चाहिए, जबकि 23,869 को शॉर्ट टर्म रेसिस्टेंस के रूप में ध्यान में रखना चाहिए। विपक्ष में, 24,125 पर रेसिस्टेंस देखा जा सकता है। शेयर ने डेली चार्ट पर हायर टॉप और हायर बॉटम बनाना शुरू किया है और डेली आरएसआई भी 50 से ऊपर पहुंच गया है, जो एक सुधार का संकेत हो सकता है। स्टॉक के 10 और 20 दिनों के ईएमए से ऊपर होने से ट्रेडर्स को आशा है कि शेयर जल्द ही अधिक ऊंचाई को छू सकेगा। अंतिम रिपोर्ट्स मुताबिक, डेली चार्ट पर संकेतक और ऑसिलेटर भी तेजी के संकेत दे रहे हैं, जो आगे की दिशा का अंदाजा देने में मदद कर सकते हैं।

वित्तीय समावेश में अनपेक्षित बाधाओं से सावधानी की जरूरत: आरबीआई गवर्नर

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि विनियमनों से वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने में अनपेक्षित बाधाएं उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) के यहां आयोजित कार्यक्रम में मल्होत्रा ने कहा कि नीति निर्माताओं को भी सावधान रहना चाहिए और अपने उपायों को लेकर अति उत्साही नहीं होना चाहिए।

मल्होत्रा ने कहा कि भारत ने वित्तीय समावेश की दिशा में पर्याप्त प्रगति की है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि विनियमन वित्तीय समावेश में अनपेक्षित बाधाएं उत्पन्न न करें।

हमें उचित संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते समय ग्राहकों के अधिकारों और सुविधा का ध्यान रखना चाहिए। गवर्नर ने कहा, जबकि हम अपनी वित्तीय प्रणालियों को धन शोधन और आतंकवादी वित्तपोषण के खिलाफ सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रहे हैं, हमें नीति निर्माताओं के रूप में यह भी ध्यान रखना होगा कि हमारे उपाय अति उत्साही न हों और वैध गतिविधियों तथा निवेशों को बाधित न करें। गवर्नर ने संतुलित विनियमन की वकालत करते हुए कहा कि जोखिम आधारित दृष्टिकोण अपनाना लाभकारी होगा तथा लोगों व व्यवसायों पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करना आवश्यक है। मल्होत्रा ने कहा कि हम अवैध वित्तीय गतिविधियों को रोकने और उनसे निपटने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इन भावनात्मक मुद्दों पर गौर करते हुए, मल्होत्रा ने देश में नए गोपनीयता कानून को लागू करने में मदद मिलने की उम्मीद जताई। इसके साथ ही, गवर्नर ने कहा कि वित्तीय संस्थाओं एवं वर्चुअल एसेट सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए यात्रा नियम को प्रौद्योगिकी तटस्थ बनाने में मदद मिलेगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था इसी वित्त वर्ष जापान से आगे निकलने को तैयार

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही तक जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। जीडीपी के दृष्टिकोण से भारत अब वर्तमान में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो जापान के करीब पहुंच रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले दशक में दोगुने से भी अधिक वृद्धि की है, जो वर्ष 2015 में 2.1 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2025 में अनुमानित रूप में 4.3 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा। भारत की अर्थव्यवस्था में पिछले दस सालों में 105 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि जापान की जीडीपी स्थिर बनी हुई है। यदि भारत इसी दर से आगे बढ़ता रहा, तो 2027 की दूसरी तिमाही तक 4.9 ट्रिलियन डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ भार दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी को भी पीछे छोड़ सकता है। भारतीय सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार के लिए कई नीतियों की घोषणा की है, जिनमें निवेश को बढ़ावा देना, उद्यमिता को बढ़ावा देना और नौकरियों के अवसर में सुधार करना शामिल है। इन कदमों के साथ, भारत अंतरराष्ट्रीय अर्थतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारतीय अर्थव्यवस्था इसी वित्त वर्ष जापान से आगे निकलने को तैयार

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही तक जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। जीडीपी के दृष्टिकोण से भारत अब वर्तमान में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो जापान के करीब पहुंच रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले दशक में दोगुने से भी अधिक वृद्धि की है, जो वर्ष 2015 में 2.1 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2025 में अनुमानित रूप में 4.3 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा। भारत की अर्थव्यवस्था में पिछले दस सालों में 105 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि जापान की जीडीपी स्थिर बनी हुई है। यदि भारत इसी दर से आगे बढ़ता रहा, तो 2027 की दूसरी तिमाही तक 4.9 ट्रिलियन डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ भार दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी को भी पीछे छोड़ सकता है। भारतीय सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार के लिए कई नीतियों की घोषणा की है, जिनमें निवेश को बढ़ावा देना, उद्यमिता को बढ़ावा देना और नौकरियों के अवसर में सुधार करना शामिल है। इन कदमों के साथ, भारत अंतरराष्ट्रीय अर्थतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

अमेरिकी आर्थिक नीति में बदलाव भारत के लिए है लाभकारी रिपोर्ट

मुंबई।

अमेरिका की नई आर्थिक नीतियों के कारण उभरते बाजारों में तेजी आने की संभावना है, और भारत को इससे सबसे अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है।

बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का भारतीय बाजारों में निवेश फिर से मजबूत हो रहा है।

एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की इंडिया स्ट्रैटेजी रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की विकसित होती राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों से वैश्विक आर्थिक गतिशीलता में बड़ा बदलाव आया है। यह परिवर्तन निवेश के अवसरों को नए रूप में ढालेगा और निवेशकों को रणनीतिक रूप से आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगा।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जैसे-जैसे पूंजी अमेरिकी डॉलर आधारित संपत्तियों से हट रही है, भारत अपने मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे, अनुकूल नीतिगत माहौल और आकर्षक मूल्यांकन के कारण वैश्विक पूंजी प्रवाह का प्रमुख लाभार्थी बनता जा रहा है। एफआईआई की बढ़ती दिलचस्पी के कारण भारतीय शेयर बाजार में 4.5 प्रतिशत की बढ़त बनी रहने की संभावना है।

भारत की मजबूती और विदेशी निवेश में वृद्धि

इस रिपोर्ट में कहा गया है, कि कमजोर डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में गिरावट के चलते भारतीय शेयर बाजार में एफआईआई का निवेश बढ़ेगा। इसके अलावा, भारत की मजबूत राजकोषीय और मौद्रिक स्थिरता इसे वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाती है। एमके ग्लोबल को उम्मीद है कि भारतीय बाजारों में तेजी जारी रहेगी, क्योंकि वैश्विक पूंजी अब गैर-डॉलर परिसंपत्तियों की ओर स्थानांतरित हो रही है।

निवेशकों के लिए रणनीतिक सुझाव

रिपोर्ट के अनुसार, निवेशकों को घरेलू खपत, निवेश और पूंजीगत वस्तुओं से जुड़े क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जबकि अमेरिकी बाजारों पर अत्यधिक निर्भर व्यवसायों में निवेश को सीमित करना चाहिए। बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा बाजार में तेजी लाने की संभावना है। छोटे और मध्यम आकार की कंपनियों (एसएमआईडी) के शेयरों में सुधार के संकेत मिल रहे हैं, जिससे आगे की वृद्धि की संभावना मजबूत हो रही है।

अमेरिका की रणनीतिक आर्थिक नीति में बदलाव

ट्रंप प्रशासन आर्थिक नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव लागू कर रहा है।

जिसमें ढीली राजकोषीय और सख्त मौद्रिक नीति से कड़ी राजकोषीय और ढीली मौद्रिक नीति की ओर रुख किया जा रहा है।

इस बदलाव का उद्देश्य व्यापक आर्थिक असंतुलनों को दूर करना और अमेरिका की वैश्विक जीडीपी (24 प्रतिशत), बाजार पूंजीकरण (70 प्रतिशत) और आरक्षित मुद्रा के रूप में डॉलर की स्थिति को फिर से मजबूत करना है।

रिपोर्ट में निष्कर्ष के तौर पर बताया गया है, कि अमेरिका की नई आर्थिक रणनीति भारत के लिए महत्वपूर्ण विदेशी निवेश को आकर्षित करने का मार्ग प्रशस्त कर रही है, जिससे कमजोर डॉलर और कम बॉन्ड यील्ड का लाभ उठाया जा सकता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 729 अंक निफ्टी 181 अंक नीचे आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई हैं। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी को लेकर अनिश्चिताओं से भी बाजार में मुनाफावसूली हुई जिससे भी बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 728.69 अंक करीब 0.93 फीसदी टूटकर 77,288.50 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 181.80 अंक तकरीबन 0.77 फीसदी नीचे आकर 23,486.85 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड कॉर्प, टाइटन कंपनी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के अलावा बीएसई सेंसेक्स के अन्य सभी शेयर गिरावट पर बंद हुए।

बाजार जानकारों के अनुसार भारतीय कंपनियों के मार्च तिमाही के परिणामों के कमजोर रहने की आशंका से भी बाजार गिरा है। नरम रहने का अनुमान जताया गया है।

अमेरिका द्वारा टैरिफ की घोषणा के बाद हाल ही में हुई बढ़त के बाद एक बार फिर बाजार में मुनाफावसूली हावी रही। अमेरिकी बाजार में अधिक निवेश वाले फार्मा और आईटी जैसे क्षेत्रों में भी बिकवाली की धारणा हावी रही।

निफ्टी ऑटो इंडेक्स को छोड़कर एनएसई पर सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए। इनमें निफ्टी पीएसयू बैंक, आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, हेल्थकेयर, रियल्टी और ऑयल एंड गैस इंडेक्स में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई।

वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में रियलिटी सेक्टर में खरीदारी रही। सुबह सेंसेक्स 78.19 अंक बढ़कर 78,095.38 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 46.80 अंक बढ़कर 23,715.45 पर था। पिछले कारोबारी सत्र में, अमेरिका में डॉव जोन्स 0.01 फीसदी बढ़कर 42,587.50 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.16 फीसदी बढ़कर 5,776.65 पर और नैस्डैक 0.46 फीसदी बढ़कर 18,271.86 पर बंद हुआ। वहीं एशियाई बाजारों में, हांगकांग, चीन, जापान, सोल, जकार्ता और बैंकॉक हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

गर्मी में पिछले साल से ज्यादा उड़ानें, एयर इंडिया ने बढ़ाई सीटें

हर हफ्ते उड़ेंगें 25000 से ज्यादा जहाज

मुंबई।

इस वर्ष गर्मी की छुट्टियों में भारतीय एयरलाइन कंपनियों का फ्लाइट सेवाओं में विस्तार होने की संभावना है। पिछले वर्ष की तुलना में, इस बार उड़ानों की संख्या में 5.50 प्रतिशत की वृद्धि की जा रही है। नागर विमानन महानिदेशक ने बताया कि इस साल ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के तहत हर हफ्ते लगभग 25,610 उड़ानें संचालित की जाएंगी। साथ ही, एयर इंडिया ने एक नई इंप्लॉई ट्रैवल पॉलिसी लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत इकोनॉमी क्लास में अधिक सीटें बढ़ाई जा रही है ताकि यात्रियों को ज्यादा विकल्प मिले। यह नीति 1 अप्रैल 2024 से लागू होगी। साथ ही देश में तीन नई एयरलाइंस - शंख एयर, एयर केरल और अलहिंद एयर - की शुरुआत होने जा रही है। इन एयरलाइंस को नागरिक उड्डयन मंत्रालय से नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट मिल चुका है और डीजीसीए से ऑपरेटर सर्टिफिकेट (एओसी) मिलते ही वे उड़ाने शुरू कर सकेंगी। नोएडा के जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से ऑपरेशन शुरू करने वाली शंख एयर उत्तर प्रदेश की पहली पूर्ण-सेवा एयरलाइन होगी और यात्रियों को नई विकल्पों की सुविधा प्रदान करेगी।

लोकसभा ने मंजूर किया फायनेंस बिल] वित्त मंत्री ने दी टैक्सपेयर्स को राहत

ईवी बैटरी और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के लिए कस्टम्स ड्यूटी में छूट भी दी गई

नई दिल्ली।

लोकसभा ने भारतीय सरकार के फायनेंस बिल 2025 को पास कर दिया, जिसमें 35 सरकारी संशोधन शामिल हैं। यह फाइनेंस बिल केंद्रीय बजट 2025-26 के प्रपोजल को लागू करने की प्रक्रिया का हिस्सा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बिल को समर्थन दिया और बजट में टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत देने की घोषणा की। फाइनेंस बिल 2025 पर हुई डिबेट में वित्त मंत्री ने टैरिफ रेशनलाइजेशन और डोमेस्टिक मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए किए गए बदलावों को बताया। इसके साथ ही, ईवी बैटरी और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के लिए कस्टम्स ड्यूटी में छूट भी दी गई है। बजट को लोकसभा ने मंजूरी दे दी है, लेकिन इसे अब राज्यसभा में भी चर्चा के लिए रखा जाएगा। वित्त मंत्री ने आम बजट में वित्त वर्ष 2025-26 में फिस्कल डेफिसिट का लक्ष्य 4.4 फीसदी रखा गया है, जो कि वित्त वर्ष 2024-25 में 4.8 फीसदी था। केंद्रीय बजट 2025-26 में खपत को बढ़ाने के लिए इनकम टैक्स छूट को बढ़ाकर 12 लाख रुपये सालाना कर दिया गया है। इससे मिडिल क्लास के हाथ में पहले के मुकाबले ज्यादा पैसे बचेंगे। बजट में नेट मार्केट बॉरोइंग 11.54 लाख करोड़ रुपये

तय की गई है। बाकी का फंड स्मॉल सेविंग्स स्कीम से आएगा। बजट में 42.70 लाख करोड़ रुपये का ग्रॉस टैक्स रेवेन्यू कलेक्शन और 14.01 लाख करोड़ रुपये का ग्रॉस बॉरोइंग प्रस्तावित है। केंद्रीय बजट 2025-26 में कुल एक्सपेंडिचर 50.65 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो चालू वित्त वर्ष की तुलना में 7.4 फीसदी ज्यादा है।

टाटा सेमीकंडक्टर चिप फैब्रिकेशन प्लांट का करेगी विस्तार

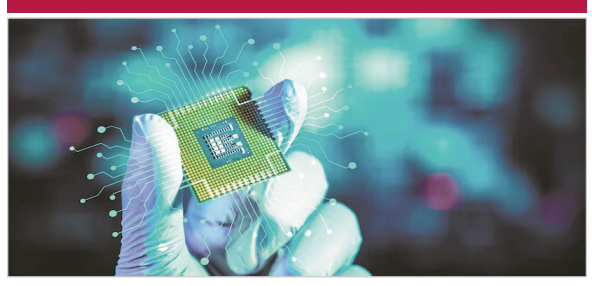

धोलेरा में मांगी 80 एकड़ और जमीन

नई दिल्ली। टाटा समूह ने गुजरात सरकार से धोलेरा में निर्माणाधीन सेमीकंडक्टर चिप फेब्रिकेशन प्लांट के विस्तार के लिए 80 एकड़ जमीन मांगी है। नई जमीन पहले से आवंटित 20 एकड़ जमीन के साथ जुड़ी होगी, जहां पर टाटा ग्रुप का चिप फेब्रिकेशन प्लांट स्थित है। एक अधिकारी के अनुसार, टाटा ग्रुप की सब्सिडियरी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स इस अतिरिक्त जमीन पर करीब 3,000 से 3,500 कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधाएं भी तैयार कर सकती है। अधिकारी ने बताया कि यह जमीन मिश्रित उपयोग (मिक्स्ड यूज) के विकास के लिए है। यहां सिर्फ टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के ही नहीं, बल्कि चिप फेब्रिकेशन यूनिट को कच्चा माल सप्लाई करने वाले कर्मचारियों के लिए भी लगभग 3,000 स्टूडियो-अपार्टमेंट शैली के आवास बनाए जाएंगे। समय के साथ यहां एक बड़ा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स तैयार किए जाने की संभावना है, जिसमें मनोरंजन और डाइनिंग की सुविधाएं होंगी। इसके अलावा विदेशी कर्मचारियों के लिए अलग डाइनिंग विकल्प, एक खेल परिसर और अन्य सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। एक अधिकारी ने बताया कि इन 100 एकड़ जमीन के अलावा गुजरात सरकार ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (टीईपीएल) को धोलेरा में निर्माण और अन्य सुविधाओं के प्रस्तावित विस्तार के लिए जरूरत पड़ने पर 63 एकड़ अतिरिक्त जमीन देने के लिए समर्थन पत्र जारी किया है। इस संबंध में भेजे गए ईमेल का टीईपीएल की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। टाटा ग्रुप की धोलेरा सेमीकंडक्टर यूनिट भारत की पहली चिप फेब्रिकेशन प्लांट है, जिसे केंद्र सरकार ने 29 फरवरी 2024 को महत्वाकांक्षी इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत मंजूरी दी थी। यह प्लांट 2027 तक चालू होने की उम्मीद है और इसमें करीब 2,000 लोगों को रोजगार मिल सकता है।

90 लाख करदाताओं ने फाइल किया अपडेटेड आईटीआर

सरकार को मिला 9,118 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व

नई दिल्ली।

वित्त मंत्री पंकज चौधरी ने संसद में बताया कि पिछले चार वर्षों में 90 लाख से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं, जिससे सरकार को 9,118 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ है। यह सरकार द्वारा शुरू की गई वॉलंटरी कंप्लायंस स्कीम की सफलता को दर्शाता है। वित्त मंत्रालय ने कम मूल्य वाले भीम-यूपीआई लेनदेन योजना को मंजूरी दी है, जो छोटे व्यापारियों को डिजिटल भुगतान करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए वित्त मंत्री ने रुपये डेबिट कार्ड और भीम-यूपीआई लेनदेन के लिए एमडीआर शून्य किया है। वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि करंट असेसमेंट ईयर (2024-25) में 28 फरवरी तक करीब 464,000 अपडेटेड आईटीआर दाखिल किए गए हैं और 431.20 करोड़ रुपये का कर चुकाया गया है। सरकार ने फाइनेंस बिल, 2025 के जरिए अपडेटेड रिटर्न फाइल करने की समय सीमा को संबंधित असेसमेंट ईयर से चार साल तक बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। असेसमेंट ईयर 2023-24 में 2.979 मिलियन से अधिक आईटीआर-यू दाखिल किए गए और 2,947 करोड़ रुपये अतिरिक्त कर चुकाए गए। असेसमेंट ईयर 2022-23 और वित्त वर्ष 2021-22 में क्रमशः 4.007 मिलियन और 1.724 मिलियन अपडेटेड आईटीआर दाखिल किए गए और अतिरिक्त 3,940 करोड़ रुपये और 1,799.76 करोड़ रुपये कर चुकाए गए। एक दूसरे सवाल के जवाब में वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कम मूल्य वाले भीम-यूपीआई लेनदेन (व्यक्ति से व्यापारी - पी2एम) को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे दी है। यह कदम डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और छोटे व्यापारियों को यूपीआई अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के सरकार के लक्ष्य के अनुरूप उठाए गए हैं। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना वित्तीय समावेशन के लिए सरकार की रणनीति का एक अभिन्न अंग है। ग्राहकों, व्यापारियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजिटल भुगतान उद्योग द्वारा किए गए व्यय को मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के जरिए वसूला जाता है। मर्चेंट डिस्काउंट रेट एक शुल्क है जिसे व्यापारियों और अन्य व्यवसायों को डेबिट या क्रेडिट कार्ड लेनदेन पर पेमेंट प्रोसेसिंग कंपनी को देना होगा।

भारत में दूध उत्पादन में वृद्धि, मंत्री बघेल ने संसद में किया खुलासा

वैश्विक उत्पादन में देश की 25 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

भारत का दूध उत्पादन पिछले 10 वर्षों में ऐतिहासिक रूप से बढ़कर 63.56 प्रतिशत तक उछाल दिखाया है। 2014-15 में 146.3 मिलियन टन से यह उत्पादन 2023-24 के दौरान 239.2 मिलियन टन के निकट आ पहुंचा है, जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 5.7 प्रतिशत है। यहाँ खास बात यह है कि भारत के दूध का उत्पादन विश्व में औसत से भी अधिक बढ़ रहा है। मंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने संसद में बताया कि प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता भारत में पिछले एक दशक में 48 प्रतिशत बढ़कर 2023-24 के दौरान 471 ग्राम/व्यक्ति/दिन से भी अधिक हो गई है। विश्व में इस संदर्भ में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 322 ग्राम/व्यक्ति/दिन है। भारत दूध उत्पादन में अब वैश्विक स्तर पर द्रुत विकास कर चुका है और यह अब वैश्विक दूध उत्पादन में 25 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। मंत्री ने बताया कि दूध एवं डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं के कार्यान्वयन की जानकारी दी। केंद्र के राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) को पूरे देश में लागू किया जा रहा है ताकि राज्य सरकारों द्वारा दूध उत्पादन और प्रोसेसिंग के लिए की गई पहल को सफल बनाया जा सके। एनपीडीडी के तहत डेयरी क्षेत्र में राज्य सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली मिल्क टेस्टिंग इक्विपमेंट के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण और मजबूती को दृढ़ करने पर ही ध्यान केंद्रित है। सहकारिता के माध्यम से डेयरी योजना के द्वारा किसानों की पहुंच बढ़ाने और डेयरी उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने का काम किया जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज लखनऊ सुपर जॉइंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद में होगी टक्कर

हैदराबाद (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जॉइंट्स की टीम गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने दूसरे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच कड़ी टक्कर होने की संभावना है। कप्तान ऋषभ पंत की सुपर जॉइंट्स की टीम को पहले ही मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हार मिली थी। ऐसे में उसपर किसी भी हाल में ये मैच जीतने का दबाव रहेगा। वहीं दूसरी ओर कप्तान पैट कमिंस की सनराइजर्स ने पहले ही मैच में राजस्थान रॉयल्स को हराया था। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा और वह जीत की लय बनाये रखने उतरेगी। सनराइजर्स की दावेदारी इसलिए भी प्रबल मानी जा रही है क्योंकि उसके पास एक से बढ़कर एक आक्रामक बल्लेबाज हैं जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमक को धवस्त कर सकते हैं।

रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में उसकी टीम ने आईपीएल का अब तक का सबसे अधिक सकोर 286 रन बनाया था। उसके पास कई आक्रामक बल्लेबाज हैं जिनका अंकुश लगाना दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होगा। कई प्रमुख गेंदाबाजों के चोटिल होने से भी सुपर जॉइंट्स की परेशानी बढ़ी है हालांकि इस मैच से पहले तेज गेंदबाजा आवेश खान के फिट होने से टीम को थोड़ी राहत मिली है।

सनराइजर्स की ओर से ईशान किशन ने पहले ही मैच में शतक लगाकर अपनी इरादे जाहिर कर दिये थे। अब उसे किसी प्रकार दिल्ली के गेंदबाज रोकेंगे ये देखना होगा। इसके अलावा टीम के पासा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड और हेनरिक क्लासेन और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। इस प्रकार के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने सुपर जॉइंट्स के गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।=लखनऊ के लिए चिन्ता की बात ये है कि उसके कप्तान ऋषभ पिछले मैच में शून्य पर ही आउट हो ये थे। इसके अलावा उनकी विकेटकीपिंग भी अच्छी नहीं थी और उन्होंने कई अवसर गंवाये थी। ऐसे में इस

मैच में उन्हें कोई गलती नहीं करनी होगी। लखनऊ के लिए पहले मैच में मिशेल मार्श और निकोलस पूरण ने आक्रामक अंदाज में पारी शुरु की थी और टीम चाहेगी कि इस मैच में भी ये दोनो ऐसा ही करें। बल्लेबाजी करके अर्ध शतक लगाए थे तथा टीम को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। टीम का मध्यक्रम पहले मैच में असफल रहा था। अब इस मैच में मध्यक्रम के बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। गेंदबाजी की बात करें तो पहले मैच में स्पिनर रवि बिश्नोई के अलावा अन्य गेंदबाज विफल रहे थे। टीम के तेज गेंदबाजों को भी इस मैच में अपनी भूमिका ठीक से निभानी होगी। दूसरी ओर सनराइजर्स की गेंदबाजी मो शमी, जयदेवा उनादकट जैसे तेज गेंदबाजों के अलावा स्पिनर एडम जंपा और राहुल चाहर पर आधारित रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सनराइजर्स हैदराबाद : पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, एडम ज़म्पा, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।

लखनऊ सुपर जाइंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मार्कराम, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिशेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

चोपड़ा ने किया गिल का बचाव, 'आप उम्मीद करते हैं कि शुभमन 10 में से 9 बार अच्छा प्रदर्शन करेंगे'

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के पांचवें मैच में शुभमन गिल की पारी का विश्लेषण किया है, जहां पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटन्स से भिड़ रही थी। जियो हॉटस्टार पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को उम्मीद है कि शुभमन 10 में से 9 मौकों पर अच्छा प्रदर्शन करेंगे, खासकर अहमदाबाद में। उन्होंने पावरप्ले में गिल द्वारा अजमतुल्लाह उमरजई और फिर मार्को जेनसन का सामना करने के बारे में भी बात की।

चोपड़ा ने कहा, 'शुभमन से आप लगभग उम्मीद करते हैं कि वह 10 में से 9 बार अच्छा प्रदर्शन करेंगे, खासकर अहमदाबाद में। एक ओवर ऐसा था जिसमें उन्होंने अजमतुल्लाह उमरजई और फिर मार्को जेनसन को पूरी तरह से पछाड़ दिया।' चोपड़ा का मानना है कि ग्लेन मैक्सवेल के हाथों शुभमन गिल का आउट होना एक बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए उनके आक्रामक रवैये का परिणाम था। उन्होंने कहा कि गिल का प्रदर्शन आशाजनक था और सुझाव है कि वह इस साल ऑरेंज कैप के लिए एक मजबूत दावेदार हो सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'ग्लेन मैक्सवेल को आउट करने के लिए आप बहुत अधिक आलोचनात्मक नहीं हो सकते। 240+ का पीछा करते समय, खेलने का केवल एक ही तरीका होता है- आप चलते रहें, और रुकें नहीं। उच्च जोखिम वाले क्रिकेट का परिणाम यह होता है कि कभी-कभी आप आउट हो जाते हैं। लेकिन जब वह क्रीज पर थे, तो वे बहुत अच्छे दिखे। यह गुजरात टाइटन्स के लिए एक आशाजनक संकेत है। पिछला सीजन उनके लिए औसत दर्जे का रहा था, लेकिन इस साल मुझे उम्मीद है कि वे ऑरेंज कैप के लिए एक मजबूत दावेदार होंगे।'

महिला विश्व कप क्वालीफायर के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान, फातिमा सना कप्तान बरकरार

लाहौर (एजेंसी)। ऑलराउंडर फातिमा सना को नौ से 19 अप्रैल तक लाहौर में होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा लेने वाली पाकिस्तान टीम की कप्तान बरकरार रखा गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चयनकर्ताओं ने युवा बल्लेबाज शवाल जुल्फिकार को कंधे की चोट से उबरने के बाद टीम में वापस बुलाया है। पाकिस्तान की अनुभवी ऑलराउंडर और पूर्व कप्तान निदा डार को टीम में शामिल नहीं किया गया। डार और एक अन्य अनुभवी खिलाड़ी आलिया रियाज को पिछले नवंबर में महिलाओं के केंद्रीय अनुबंध से बाहर रखा गया था। लेकिन आलिया को क्वालीफायर के लिए राष्ट्रीय टीम में चुना गया है।

पाकिस्तान लाहौर में आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफायर की मेजबानी कर रहा है, जिसमें बांग्लादेश, आयरलैंड, थाईलैंड, स्कॉटलैंड और वेस्टइंडीज भाग ले रहे हैं। यह इस साल पाकिस्तान द्वारा आयोजित किया जा रहा दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट है। इससे पहले नौ मार्च को पुरुषों की चैंपियंस ट्रॉफी खत्म हुई थी। पीसीबी ने कहा कि चयन समिति ने चल रहे तैयारी शिविर के दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस को देखने के बाद पाकिस्तानी टीम का चयन किया।

पाकिस्तान टीम

फातिमा सना (कप्तान), मुनीबा अली (उप-कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, गुल फिरोजा, नजीहा अल्वी (विकेटकीपर), नशरा सुंधू, नतालिया परवेज, ओमैमा सोहेल, रमीन शमीम, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज (विकेटकीपर) और सईदा अरूब शाह।

हैदराबाद के इन प्लेयरों पर लट्टू हुए मैथ्यू हेडन, की यह भविष्यवाणी

खेल डैस्क (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स के साथ आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले मैथ्यू हेडन ने आईपीएल 2024 में अपने प्रदर्शन के कारण चर्चा में रहने वाले 5 क्रिकेटर की भविष्यवाणी की है। हेडन ने शक्तिशाली बल्लेबाजी, खेल को बदलने की क्षमता और दबाव में मजबूत प्रदर्शन करने में मशहूर प्लेयरों के नाम लिए हैं-

विराट कोहली (रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर)

हेडन ने कोहली की निरंतरता और लक्ष्य का पीछा करते हुए सफल होने की क्षमता की अक्सर प्रशंसा की है, उन्हें उनके विकसित टी20 खेल के लिए ÷विराट कोहली 2.0÷ कहा है। केकेआर के खिलाफ आईपीएल 2025 के पहले मैच में 39 गेंदों पर 59 रन बनाने के साथ, कोहली का फॉर्म चर्चा का विषय बना हुआ है।

ट्रैविस हेड (सनराइजर्स हैदराबाद)

हेड ने हैदराबाद के लिए पहले ही मुकाबले में तेजतर्रार अर्धशतक जड़ा था जिसके चलते उनकी टीम 286 रन तक पहुंचने में सफल रही थी। उन्होंने पिछले सीजन में अभिषेक के साथ मिलकर मजबूत साझेदारियां की थी जिससे उनकी टीम फाइनल तक पहुंची थी। इस बार भी हेड शानदार फॉर्म के साथ लौटे हैं।

अभिषेक शर्मा (सनराइजर्स हैदराबाद)

अभिषेक ने उम्मीद मुताबिक पहले ही मुकाबले में तेजतर्रार शॉट लगाकर अपनी टीम को तेज शुरूआत दी। अभिषेक ने पिछले सीजन के 16 मैचों में 32 की औसत से 484 रन बनाए हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 202 रही है। जबकि उनके बल्ले 36 चौके और 42 छक्के निकले थे। उन्होंने 2018 सीजन में डैब्यू किया था लेकिन 2022 सीजन में उनकी किस्मत चमकी जब उन्होंने 14 मैचों में 426 रन बनाए। 2023 में उन्होंने 226 रन बनाए थे।

हेनरिक क्लासेन (सनराइजर्स हैदराबाद)

क्लासेन 36 मैचों में ही 1000 रन पूरे कर चुके हैं। उन्होंने इस सीजन के पहले मुकाबले में 14 गेंदों पर 34 रन बनाए थे। 2024 सीजन में उन्होंने 16 मैचों में 39 की औसत से 479 रन बनाए थे। उनकी स्ट्राइक रेट 171 रही थी। उन्होंने 19 चौके और 38 छक्के लगाए थे। 2023 सीजन में भी उन्होंने 32 चौके और 25 छक्कों की मदद से 448 रन बनाए थे।

महेंद्र सिंह धोनी (चेन्नई सुपर किंग्स)

महेंद्र सिंह धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के सबसे प्रतिष्ठित और सफल खिलाड़ियों में से एक हैं। धोनी ने फ्रेंचाइजी को पांच आईपीएल खिताब (2010, 2011, 2018, 2021, 2023) जिताए हैं, जो उन्हें आईपीएल इतिहास के सबसे सफल कप्तानों में से एक बनाता है। इस साल भले ही ऋतुराज गायकवाड़ के पास कप्तानी है लेकिन धोनी का टीम में योगदान कम नहीं है।

भारत के युवा खिलाड़ियों को बेखौफ होकर खेलते हुए देखना शानदार : स्टोइनिस

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर और आईपीएल में पंजाब किंग्स की तरफ से खेल रहे मार्कस स्टोइनिस भारतीय युवा खिलाड़ियों के बेखौफ होकर खेलने से काफी प्रभावित हैं। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा के पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास लेने के बाद तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों ने बखूबी जिम्मेदारी संभाली। पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने आईपीएल में अपने पहले मैच में ही अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया। स्टोइनिस ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट में काफी गहराई है। वह हमेशा से रही है। और मेरा मानना है कि उनके खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपने कौशल का नमूना पेश करने का मौका मिल रहा है।' उन्होंने कहा, 'वे आत्मविश्वास से ओतप्रोत हैं। उन्हें अपने करियर के शुरू में ही आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में दबाव की परिस्थितियों से गुजरने का फायदा मिल रहा है। खेल के प्रति उनका बेखौफ रवैया वास्तव में शानदार है। पंजाब किंग्स की टीम में कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो इससे पहले कभी आईपीएल में नहीं खेले थे लेकिन वह बेहद प्रभावशाली हैं।'

शुभमन ने हार के कारण बताये

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले ही मैच में पंजाब किंग्स के हाथों मिली 11 रनों की हार के लिए खराब गेंदबाजी और बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया है। शुभमन ने कहा कि इस मैच में हमारे गेंदबाजों ने अधिक रन दिये। वहीं बल्लेबाजी के दौरान हम तेजी से रन नहीं बना पाये। यहां के से नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए इस मैच में पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 243 का बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में पंजाब किंग्स की टीम 232 रनों तक ही पहुंच पायी। शुभमन इस मैच में 14 गेंदों में 33 रन बना पाये। उन्होंने कहा कि हमने पहले हाफ के अंत में बहुत ज्यादा रन दिए। उन्होंने कहा, 'जब हम गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर रहे थे, तब हमें अवसर मिले पर हम उनका लाभ नहीं उठा पाये। पारी के अंत में हमने बहुत ज्यादा रन दिए। वहीं बीच के ओवरों में हमने 18 रन बनाए। इसके अलावा, पहले तीन ओवरों में हमने ज्यादा रन नहीं बनाए। इसकी कारण से मैच हमारे हाथ से निकल गया।' दूसरी ओर पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों पर नाबाद 97 रन बनाये। श्रेयस ने अपनी पारी में नौ छक्के और पांच चौके लगाए।

नीशम के 5 विकेट के बाद सीफर्ट की विस्फोटक पारी, न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को हराया

वेलिंगटन (एजेंसी)। जेम्स नीशम (पांच विकेट) और जैकब डफी (दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद टिम सीफर्ट (नाबाद 97) की विस्फोटक पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने बुधवार को पांचवें और आखिरी टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 10 ओवर शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने पांच मैचों सीरीज भी 4-1 से अपने नाम कर ली।

पाकिस्तान के 128 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टिम सीफर्ट और फिन एलन की सलामी जोड़ी ने आतिशी बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए पहले विकेट 93 रन जोड़े। सातवें ओवर में सुफियान मुकीम ने फिन एलन को बोल्ड कर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। फिन एलन ने 12 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (27) रन बनाये। नौवें ओवर में मार्क चैपमैन (तीन) रन बनाकर आउट हुए। उन्हें सुफियान मुकीन ने आउट किया।

टिम सीफर्ट ने 38 गेंदों में 10 छक्के और

छह चौके लगाते हुए (नाबाद 97) रनों की विस्फोटक पारी खेली। न्यूजीलैंड ने 10 ओवर में दो विकेट पर 131 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। जेम्स नीशम को उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' तथा टिम सीफर्ट को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज से नवाजा गया। पाकिस्तान की ओर से सुफियान मुकीम को दो विकेट मिले।

इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 25 के स्कोर तक अपने तीन विकेट गवां दिए। हसन नवाज (शून्य), उमर युसूफ (सात) और मोहम्मद हरिस (11) रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय बल्लेबाजी करने आये कप्तान आगा सलमान ने पारी को संभालने का प्रयास किया।

इसके बाद उस्मान खान (सात), अब्दुल समद (चार) नीशम ने आउटकर पवेलियन भेज दिया। शादाब खान ने 20 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए (28) रनों की पारी खेली। उन्हें 17वें ओवर की पहली गेंद पर नीशम ने ही आउट किया। जहानदाद खान (एक) और सुफियान मुकीम (शून्य) को भी नीशम ने अपना शिकार बनाया।

आगा सलमान ने 39 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए (51) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। न्यूजीलैंड के बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तान की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 128 रन ही बना पाई। न्यूजीलैंड की ओर से जेम्स नीशम ने चार ओवर में 22 रन देकर पांच विकेट लिये। जैकब डफी ने चार ओवरों में 18 रन देकर दो विकेट झटके। बेन सियर्स, ईश सोढ़ी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बोल्ड अंदाज में नजर आयी नताशा स्टेनकोविक

मुम्बई । क्रिकेटर हार्दिक पांड्या से तलाक के बाद उनकी पूर्व पत्नी और सर्बियाई मॉडल नताशा स्टेनकोविक नताशा एक बार फिर भड़कीलें अंदाज में नजर आयीं हैं। नताशा ने सोशल मीडिया में अपनी बिकिनी की तस्वीरें साझा की हैं। वह समुद्र में मस्ती करती नजर आ रही हैं। क्रिकेट प्रशंसका भी नताशा के इस पुराने रूप को देखकर हैरान हैं। उनकी तस्वीरों पर कई कमेंट भी आ रहे हैं। हार्दिक नताशा स्टेनकोविक के अफेयर की शुरुआत 2018 में शुरू हुई जब वे मुंबई के एक नाइट क्लब में मिले। वहीं साल 2018 ८ में पंड्या ने मुंबई में एक भव्य जन्मदिन समारोह की मेजबानी की, जिसमें नतासा उपस्थित थीं। दोनों पहली बार मिले। वहीं साल 2020 ८ में कोरोना महामारी के बीच ही लॉकडाउन में दोनो की शादी हुई। वहीं इसके बाद दोनों के घर बेटे अगस्त्य पंड्या का जन्म हुआ, जो उनके रिश्ते में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। वहीं साल 2023 में इस जोड़े ने उदयपुर में ईसाई और हिंदू दोनों रीति-रिवाजों के साथ फिर से शादी की। वहीं इसके एक साल बाद ही दोनों की शादी टूटने की पहली बार अफवाह फैली। इसके बाद दूरियां बढ़ती गयीं और 2024 में ये दोनो आधिकारिक तौर पर अलग हो गये। इसके बाद नताशा सर्बिया लौट गई मॉडलिंग में लग गयी।

इंपैक्ट प्लेयर नियम को अब टी20 क्रिकेट के विकास का हिस्सा मान रहे धोनी

दुबई (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इंपैक्ट प्लेयर नियम को लेकर बहस जारी है। जहां स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इसे सही नहीं मानते। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मेहेंद्र सिंह धोनी का मानना है कि जब इस नियम को पहली बार लागू किया गया तो वह इसकी जरूरत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थे पर अब उन्हें लगता है कि ये टी20 क्रिकेट के विकास का ही एक हिस्सा है। धोनी हालांकि अपने को इंपैक्ट प्लेयर नहीं मानते हैं। इसका कारण है कि वह अभी भी विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका निभाते हैं।

धोनी ने कहा, 'जब पहली बार यह नियम लागू किया गया तो मुझे लगा कि वास्तव में इसकी जरूरत नहीं है हालांकि कुछ हद तक ये उनके लिए फायदेमंद रहा भी और नहीं भी। साथ ही कहा कि मैं अभी विकेटकीपिंग कर रहा हूं, इसलिए मैं इंपैक्ट प्लेयर नहीं हूं। मुझे इसके अनुसार ही आगे बढ़ना होगा। कई लोगों का कहना है कि इस नियम के कारण बड़े स्कोर बन रहे हैं पर मेरा मानना है कि खिलाड़ियों के सहज होकर खेलने से ऐसा हो रहा है क्योंकि अब उनके ऊपर दबाव नहीं है। वहीं रोहित और पांड्या जैसे खिलाड़ियों का मानना है कि इस नियम से ऑल राउंडरों को नुकसान हो रहा है। टीम इंपैक्ट प्लेयर की भूमिका के लिए आक्रामक बल्लेबाजों को ही शामिल कर रही है।

धोनी ने कहा कि इस नियम से टीमों को कड़ी हालातों में एक अतिरिक्त बल्लेबाज रखने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि एक अतिरिक्त बल्लेबाज रखने के कारण ही बड़े स्कोर बन रहे हैं। यह मानसिकता से भी जुड़ा है। टीमों के पास अब एक अतिरिक्त बल्लेबाज की सुविधा है, इसलिए वे अधिक आक्रामक तरीके से खेल रही हैं। इसी से इस प्रारुप का भी विकास हो रहा है।

स्पिनरों के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हैं श्रेयस : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपनी 97 रनों की पारी के दौरान श्रेयस ने काफी अच्छे शॉट लगाये। आकाश ने अय्यर की पारी के असाधारण पहलू पर अपने विचार साझा किए, उन्होंने कहा कि यह एक शानदार पारी थी और खासकर स्पिन के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी काफी अच्छी थी। चोपड़ा ने यह भी कहा कि जब स्पिनरों को हिट करने की बात आती है तो श्रेयस बीच के ओवरों में सर्वश्रेष्ठ भारतीय बल्लेबाज हैं। आकाश ने कहा, यह स्पिन के खिलाफ काफी अच्छी बल्लेबाजी का उदाहरण था। मेरा मानना है कि जब स्पिनरों पर आक्रमण की बात आती है तो वह बीच के ओवरों में सर्वश्रेष्ठ भारतीय बल्लेबाज है। अक्सर बल्लेबाजों को ओवर टॉप हिट करने से पहले गति बनाने के लिए आगे आना पड़ता है पर श्रेयस को इसकी जरूरत नहीं है। इससे गेंदबाजों के लिए उनके अगले कदम का अनुमान लगाना कठिन हो जाता है। चोपड़ा ने श्रेयस अय्यर की बेहतर बल्लेबाजी तकनीक पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अय्यर ने अपना रुख थोड़ा खोला है, जिससे उन्हें उन क्षेत्रों तक पहुंचने में मदद मिली है जहां वे पहले नहीं पहुंच पाते थे और शॉर्ट गेंदों को ज्यादा प्रभावी ढंग से खेल पाते हैं। यह संतुलित रुख उन्हें गतिशील और नियंत्रण में रखता है, जिससे उनकी शॉट बनाने की क्षमता बढ़ती है।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध में रोहित सहित इन तीन दिग्गजों को हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) आने वाले दिनों में केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा कर सकता है। इसमें श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल , यशस्वी जायसवाल सहित कुछ खिलाड़ियों को लाभ हो सकता है जबकि विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों को नुकसान को सकता है। ये तीनो ही अभी ए प्लस वर्ग में हैं जिसमें तीनों प्रारुप खेलने वाले खिलाड़ी ही रह सकते हैं। इन तीनों ने ही टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया है। ऐस में इन तीनों को इस प्रारुप से बाहर किया जा सकता है। ए प्लस वर्ग में 7 करोड़ रुपये की रिटेनरशिप फीस मिलती है। वहीं ए वर्ग में खिलाड़ी को 5 करोड़ रुपये मिलते हैं जबकि ग्रेड-बी और सी में खिलाड़ियों को 3 करोड़ और 1 करोड़ रुपये मिलते हैं। केन्द्रीय अनुबंध राष्ट्रीय चयन समिति बनाती है।

पिछले साल बुमराह, रोहित, कोहली और जडेजा को ए प्लस में रखा गया था। अब केवल बुमराह ही ऐसे हैं जो तीनों प्रारुपों में खेलते हैं। वह टेस्ट के कप्तान भी बन सकते हैं। ऐसे में इस वर्ग में तीनो प्रारुपों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों को जगह मिल सकती है। वहीं ए वर्ग से आर अश्विन बाहर होंगे क्योंकि उन्होंने संन्यास ले लिया है। अक्षर पटेल को लाभ हो सकता है। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टी20 प सीरीज के लिए उप-कप्तान बनाया गया था। उन्हें ग्रुप बी से ए में प्रमोट किया जा सकता है। अक्षर एकदिवसीय और टी20 दोनों में नियमित रूप से खेलते हैं। उन्होंने भारत के लिए 14 टेस्ट भी खेले हैं।

वहीं अय्यर को पिछले सीजन में अनुबंध नहीं मिला था पर इस सत्र में उन्होंने 11 एकदिवसीय मैच खेले हैं। इसलिए वह किसी वर्ग में वापस आ सकते हैं। केन्द्रीय अनुबंध सूची में आने के लिए खिलाड़ी को एक कैलेंडर वर्ष में तीन टेस्ट, आठ एकदिवसीय या 10 टी20 खेलने होते हैं। युवा यशस्वी जायसवाल को ग्रेड बी से ऊपर प्रमोशन मिल सकता है। उन्होंने सभी फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप ने सात टेस्ट खेले हैं जबकि सरफराज खान ने तीन टेस्ट खेले हैं। इन दोनों को ग्रुप सी में शामिल किया जा सकता है।

नीतीश कुमार रेड्डी ने पूरी बॉर्डर-गावस्कर सीरीज खेली है। इसलिए उन्हें भी केन्द्रीय अनुबंध सूची में शामिल कर लिया जाएगा। शार्दुल ठाकुर और रुतुराज गायकवाड़ पिछली सूची में थे। लेकिन इस बार वे जरूरी शर्तें पूरी नहीं कर रहे हैं। इसलिए वे सूची में नहीं होंगे। हालांकि, चयन

समिति हेड कोच और सचिव से सलाह लेकर कुछ बदलाव कर सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चिलचिलाती गर्मी ने कर दिया है परेशान तो इन जगहों पर घूमें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं-

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें :

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें :

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मजा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें :

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें :

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

पार्टनर के साथ घूमने के लिए बेहतरीन जगह है लोटस वैली

अपने गौरवशाली अतीत के साथ-साथ इंदौर में घूमने के लिए कई बेहतरीन स्थान मौजूद हैं। दुकान और सर्राफा बाजार की हलचल भरी सड़कों से, शहर पर्यटन स्थलों का एक समूह प्रदान करता है, जिसे इंदौर में देखने से नहीं चूकना चाहिए। शहर से कुछ ही दूरी पर, शानदार गुलावट लोटस वैली स्थित है। अपने शांत वातावरण और आश्चर्यजनक दृश्यों के कारण, इसे अक्सर छिपा हुआ रत्न माना जाता है। और चूंकि गुलावट लोटस वैली इंदौर के बहुत पास है, आप आसानी से एक दिन का समय निकाल सकते हैं और अद्भुत जगह की एक छोटी यात्रा का आनंद ले सकते हैं। चाहे आप अपने जीवनसाथी के साथ रोमांटिक आउटिंग की योजना बना रहे हों या पारिवारिक पिकनिक पर, यह एक ऐसी जगह है जहाँ आपको अवश्य जाना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इंदौर में गुलावट लोटस वैली के बारे में बता रहे हैं-

इन चीजों का लें आनंद

गुलावट लोटस वैली यशवंत सागर डैम के पीछे वाली पानी से बनी एक प्राकृतिक झील है। अगर आप यहां है तो आपको झील के ऊपर स्थित विचित्र 100 मीटर के पुल की एक झलक अवश्य देखनी चाहिए। यहां से, आपको झील और खूबसूरत कमल का एक मनोरम दृश्य प्राप्त कर सकते हैं, जो इसे इंदौर में दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक बनाता है। पहली किरणों को झील के ऊपर तैरते फूलों को देखना बेहतरीन होता है। आप यहां पर नौका विहार और घुड़सवारी जैसी कुछ गतिविधियों में भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, घाटी के पास स्थित हनुमान मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं। जगह की सुंदरता को बढ़ाते हुए, गुलावट घाटी के पास नीलगिरी और बांस के जंगल भी हैं जो आपको प्रकृति की गोद में कुछ समय बिताने का अवसर प्रदान करते हैं। आप जंगल में छोटे तालाब भी देख सकते हैं जहां यशवंत सागर बांध से पानी आता है। आप पास के गुलावट गांव में भी टहल सकते हैं और यहां के स्थानीय लोगों की जीवनशैली के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

घूमने का सबसे अच्छा समय

वैसे तो लोटस वैली में आप कभी भी जा सकते हैं, लेकिन यहां घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से फरवरी तक का माना जाता है। जब इस वैली में फूल बेहतरीन तरीके से खिले होते हैं। इसके अलावा, यह सलाह दी जाती है कि आप सुबह जल्दी घाटी की यात्रा करें। ऐसा इसलिए है क्योंकि कमल की जड़ें कीचड़ में दबी रहती हैं। वे हर रात नदी के पानी में डूब जाते हैं और अगली सुबह आश्चर्यजनक रूप से फिर से खिलते हैं। इसलिए, यदि आप चमचमाते स्वच्छ कमल देखना चाहते हैं, तो समय पर पहुंचें।

सोलो ट्रेवलिंग पर जा रहे हैं तो इन बातों का रखें ध्यान

ट्रेवलिंग करने का अपना एक अलग ही आनंद है। यूं तो लोग अधिकतर अपने दोस्तों, परिवार या रिश्तेदारों के साथ ट्रेवलिंग करना अधिक पसंद करते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से सोलो ट्रेवलिंग का चलन भी काफी बढ़ा है। सोलो ट्रेवलिंग से व्यक्ति के मन में एक गजब का आत्मविश्वास आता है, हालांकि यह कभी-कभी रिस्की भी हो सकता है। इतना ही नहीं, अनजान शहर में जब आप कभी अकेले फंस जाते हैं तो आपको काफी परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। इसलिए जरूरी है कि सोलो ट्रेवलिंग से पहले आप इसकी पूरी तैयारी कर लें, ताकि आपका यह सफर स्ह्वद्धद्धह्ल ना बन जाए। तो चलिए जानते हैं कि सोलो ट्रेवलिंग के दौरान किन बातों का खास ख्याल रखा जाए-

अच्छी तरह करें रिसर्च

यह सोलो ट्रेवलिंग का सबसे पहला और महत्वपूर्ण नियम है। जब आप अकेले घूमने का प्लॉन कर रहे हैं तो पहले इंटरनेट के माध्यम से उस जगह के बारे में अच्छी तरह जान लें। साथ ही आप जिस होटल में रूकने वाले हैं, उसके बारे में व उसके आसपास की जगहों के बारे में भी पता लगाएं। इससे आपको दो लाभ होंगे। सबसे पहले तो आपको पैकिंग में आसानी होगी, वहीं दूसरी ओर, जब आपको काफी कुछ पहले से ही पता होगा तो अनजान शहर में आपको अकेला देखकर लोग आपका फायदा नहीं उठा पाएंगे, क्योंकि उन्हें ऐसा लगेगा कि आप यहां पहले भी कई बार आ चुके हैं और यहां की अधिकतर जगहों से वाकिफ हैं।

सही तरह से करें पैकिंग

जब आप सोलो ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो पैकिंग पर अतिरिक्त ध्यान दें। अपनी जरूरत का हर सामान पैक करें। हो सकता है कि नए शहर में आपको वह चीज आसानी से ना मिले, हालांकि अपना कीमती सामान साथ ना ही रखें तो बेहतर होगा। इसके अलावा, आप अपनी जरूरी डॉक्यूमेंट्स की एक सॉफट कॉपी अपनी मेल आईडी पर जरूर रखें ताकि कभी भी जरूरत पड़ने पर आप उसे इस्तेमाल कर पाएं।

कैरी करें कैश

आजकल डिजिटल जमाना है, इसलिए अधिकतर लोग कैश कैरी करना पसंद नहीं करते और ना ही उन्हें यह एक सुरक्षित तरीका लगता है। लेकिन ऐसा ना करें। सोलो ट्रेवलिंग के दौरान अपने साथ कुछ कैश अवश्य रखें। साथ ही साथ इस बात का भी ख्याल रखें कि आप उन्हें केवल एक जगह पर ही ना रखें। दरअसल, बाहर घूमते समय चोरी होने की संभावना बहुत अधिक होती है। ऐसे में अगर आपने कई अलग-अलग जगहों पर पैसे रखे होंगे तो चोरी होने पर भी आपको समस्या नहीं होगी।

रखें सेफ्टी किट

यह एक बेहद महत्वपूर्ण पहलू है, जिस पर ध्यान दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। चूंकि आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो ऐसे में आपकी सुरक्षा का जिम्मा आपका ही है। इसलिए अपने बैग में एक सेफ्टी किट अवश्य बनाएं। जिसमें आप चाकू, पेपर स्प्रे, व अन्य चीजें रख सकते हैं। किसी अप्रिय स्थिति में यह चीजें आपके बेहद काम आएंगी। साथ ही साथ आप अपने किसी करीबी या प्रियजन को अवश्य बताएं कि आप कहां घूमने जा रहे हैं और आपके ट्रेवलिंग टाइमिंग्स क्या है। साथ ही साथ दिन में दो बार उससे बात अवश्य करें।

ना करें जाहिर

भले ही सोलो ट्रेवलिंग आपको एक अनुभव प्रदान करती हो, लेकिन जब आप अकेले ट्रेवलिंग कर रहे हैं तो इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि आप इस बात को सामने वाले पर जाहिर ना होने दें। कभी भी अनजान व्यक्ति से अपनी ट्रेवलिंग से जुड़ी सारी बातें शेयर ना करें और ना ही किसी को यह पता लगने दें कि आप अकेले ट्रेवल कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुबह होते ही सीबीआई ने खटखटाया भूपेश बघेल का दरवाजा, करीबियों के घर भी छापा

रायपुर।

बुधवार को सुबह सुबह छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर का दरवाजा सीबीआई ने खटखटा दिया। यही नहीं उनके करीबियों के यहां भी छापेमारी की गई। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी की टीमों ने रायपुर और भिलाई में बघेल के आवास के साथ-साथ एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और पूर्व मुख्यमंत्री के एक करीबी सहयोगी के आवासीय परिसरों पर भी छापेमारी की। एजेंसी उस मामले के बारे में कुछ नहीं बता रही है जिसके सिलसिले में तलाशी ली जा रही है।

सूत्रों की मानें तो भिलाई दुर्ग के पूर्व एसपी अभिषेक पल्लव के घर भी सीबीआई की टीम ने दबिश दी है। आरक्षक नकुल और सहदेव के यहां भी टीम पहुंची है। इसके साथ ही बताया जा रहा है कि भिलाई विधायक देवेंद्र यादव के सेक्टर 5 के घर और सेक्टर 10 के घर पर भी टीम पहुंची है। तो वहीं सेक्टर 10 में एपी त्रिपाठी के यहां भी अधिकारियों की टीम पहुंची है।

इसके अलावा भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार रहे विनोद वर्मा के यहां भी छापे की खबर है। इतना ही नहीं आईपीएस आरिफ शेख के घर भी सीबीआई की रेड की खबर सामने आ रही है। पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा के घर पर भी छापी की जानकारी मिल रही है। इतना ही नहीं भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार रहे विनोद वर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आनंद छाबड़ा के घर भी छापे की खबर है।

बता दें हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय ने कथित शराब घोटाला के मामले में बघेल के आवास पर छापे मारे थे। 10 मार्च को ईडी ने कथित शराब घोटाला मामले में उनके बेटे के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत दुर्ग जिले के भिलाई शहर में भूपेश बघेल के आवास पर छापा मारा था। इसके अलावा, चैतन्य के कथित करीबी सहयोगी लक्ष्मी नारायण बंसल उर्फ पप्पू बंसल सहित 13 और ठिकानों पर भी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत तलाशी ली गई थी।

माना जा रहा है कि यह कार्रवाई महादेव बैटिंग ऐप मामले में हो सकती है। यह ऐप ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए बनाई गई थी। रेड की जानकारी देते हुए बघेल ने एक्स पर लिखा, अब सीबीआई आई है। आगामी 8 और 9 अप्रैल को अहमदाबाद (गुजरात) में होने वाली एआईसीसी की बैठक के लिए गठित ड्राफ्टिंग कमेटी की मीटिंग के लिए आज पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का दिल्ली जाने का कार्यक्रम है। उससे पूर्व ही सीबीआई रायपुर और भिलाई निवास पहुंच चुकी है।छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के घर सीबीआई छापेमारी पर कांग्रेस नेता सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, इससे पहले उन्होंने (भाजपा ने) उनके आवास पर ईडी को भेजा था। आज सीबीआई भूपेश बघेल के रायपुर और भिलाई आवास पर आई है। उनका आज दिल्ली जाने का कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में खलल डालने के लिए भाजपा ने आज उनके आवास पर सीबीआई भेजी है।

संक्षिप्त समाचार

सीएम योगी ने बताया, यूपी में मुसलमान सबसे ज्यादा सुरक्षित

जिन्ना और औरंगजेब को अपना आदर्श मानते सपाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुसलमानों की सुरक्षा पर बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने कहा कि मुसलमान यूपी में सबसे ज्यादा सुरक्षित हैं। एक इंटरव्यू में सीएम योगी ने सवाल का जवाब देकर कहा कि उत्तर प्रदेश में मुसलमान सबसे ज्यादा सुरक्षित हैं। अगर हिंदू सुरक्षित हैं, तब मुसलमान भी सुरक्षित हैं।

इस मौके पर योगी से सवाल किया गया कि क्या वे तीसरे टर्म की तैयारी कर रहे हैं? इसके जबाव में सीएम योगी ने कहा कि मैं कोशिश नहीं करूंगा, मेरी पार्टी कोशिश करेगी, मैं क्यों बनूंगा, कोई भी पार्टी का कार्यकर्ता बन सकता है। वहीं राणा सांगा विवाद पर जवाब देकर सीएम योगी ने कहा कि इतिहास यहीं लोग जानते हैं, जो जिन्ना का महिमामंडन करते हैं। योगी ने बुलडोजर एक्शन पर कहा कि जो जैसे समझेगा, उन्हें उसी भाषा में समझाना चाहिए। वहीं औरंगजेब को सपा का आदर्श बताने के पीछे सीएम योगी ने तर्क देकर कहा कि महाराणा प्रताप, महाराणा सांगा, छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोविंद सिंह के बारे में ये लोग बताएंगे? ये लोग इतिहास के बारे में क्या जानते हैं? जो औरंगजेब और बाबर को पूजते हैं और जिन्ना को अपना आदर्श मानते हैं।

भाजपा का मुसलमानों के लिए सौगात-ए-मोदी अभियान

मुंबई। ईद के मौके पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से गरीब मुसलमानों को बड़ा तोहफा दिया जाएगा। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से देशभर में करीब 32 लाख मुस्लिम परिवारों को सौगात-ए-मोदी किट वितरित की जाएंगी। इस पहल की घोषणा भाजपा की ओर से की गई है। यह पहल भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की ओर से की जाएगी। भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे के 32,000 पदाधिकारी इस पहल में भाग लेंगे और देश भर की लगभग 3,000 मस्जिदों का दौरा करेंगे। इन सौगात-ए-मोदी किटों में आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। जिसका उपयोग कर गरीब मुसलमान अपनी ईद मना सकते हैं। इस संबंध में जानकारी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने दी है।

जूस का ठेला लगाने वाले को इनकम टैक्स ने थमाया 7.79 करोड़ का नोटिस

अलीगढ़।

यहां जूस का ठेला लगाने वाले मोहम्मद रईस के उस वक्त होश उड़ गए जब उन्हे आयकर विभाग ने 7.79 करोड़ रुपये के टर्नओवर पर नोटिस थमा दिया। नोटिस पाकर जूस विक्रेता मोहम्मद रईस के होश उड़ गए हैं। उसका परिवार सकते में है। उसके पैन कार्ड का इस्तेमाल करके 7.79 करोड़ रुपये की खरीद बिक्री की गई है। आयकर विभाग खंड तीन के आईटीओ नैन सिंह की ओर से उनको 7.79 करोड़ रुपये की खरीद बिक्री पर नोटिस जारी कर पूछा है कि बड़े पैमाने पर टर्न ओवर होने के बाद रिटर्न फाइनल क्यों नहीं किया गया। जबकि मो. रईस को इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। नोटिस जारी करने वाले अलीगढ़ आयकर विभाग खंड तीन के आईटीओ नैन सिंह ने बताया कि आयकर विभाग के सर्वर से ही मो. रईस के पैन कार्ड पर साल 2021-22 में 7.89 करोड़ की खरीद बिक्री की जानकारी आई, जिसके बाद नोटिस जारी किया गया। मामले में दीपक शर्मा नाम का व्यक्ति भी जुड़ा है। पंजाब के एक-दो फर्म संचालकों के बयान भी दर्ज किए गए हैं, जिसमें बताया है कि दीपक शर्मा नाम का व्यक्ति उनको हर महीने 15 से 20 हजार रुपये देता है, और कार्य वह करते हैं। आयकर विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक मो. रईस के पैन कार्ड का इस्तेमाल पंजाब में विधानसभा चुनाव के दौरान किया गया। अब नोटिस मिलने के बाद परेशान जूस विक्रेता ने सीए के माध्यम से आयकर विभाग के अफसरों से नोटिस की जानकारी कराई। आयकर अफसरों ने कहा कि पैन कार्ड का नियमानुसार इस्तेमाल हुआ है और इसमें जवाब दाखिल करना होगा। नोटिसकर्ता अपने साथ धोखाधड़ी व ठगी का मुकदमा कायम कराए, जिसके आधार पर केस का निस्तारण होगा। इसके बाद मास्टर माइंड तक पहुंचने का काम किया जाएगा। फिलहाल आयकर अधिकारी मामले में विधिक प्रक्रिया अपना रहे हैं।

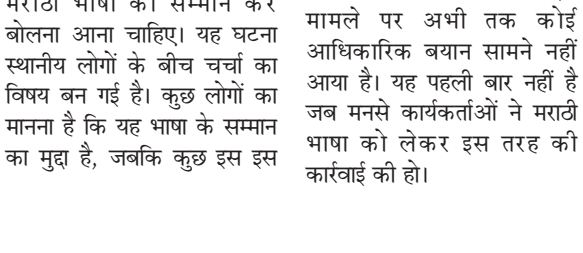

माननीयों की सैलरी बढ़ने पर मोदी सरकार का जबाव, महंगाई के कारण हुई बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली।

सांसदों की सैलरी बढ़ने पर जब सवाल उठने पर मोदी सरकार की तरफ से मामले में सफाई आ गई है। मोदी सरकार ने कहा है कि वेतन वृद्धि महंगाई के कारण हुई है। यह 2018 की नीति के मुताबिक हुई है। इस नीति में सैलरी को महंगाई के साथ जोड़ने का नियम है।सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार का कहना है कि 2018 में बनाया गया नियम सही और पूरी तरह पारदर्शी है। इस नियम के कारण मनमाने तरीके से सैलरी नहीं बढ़ सकती और आर्थिक मामलों में सावधानी बरती होती है। दरअसल, वित्त अधिनियम 2018 में सांसदों के वेतन, भत्ते और पेंशन अधिनियम 1954 में बदलाव किया। बदलाव के बाद सांसदों की सैलरी महंगाई के साथ जोड़ दी गई।

साल 2018 में हुई बदलावों के बाद इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के तहत प्रकाशित कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स (सीआईआई) का इस्तेमाल होता है। सूत्रों के मुताबिक इस बदलाव से पहले, वेतन वृद्धि अचानक होती थी। हर बार संसद से मंजूरी लेनी पड़ती थी। तब बदलाव के पीछे प्रक्रिया को गैर राजनीतिक बनाने और वेतन समायोजन के लिए तंत्र बनाने का तर्क दिया गया था। साल 2018 से पहले आखिरी बार सैलरी में बदलाव 2010 में हुआ था। तब संसद ने सांसदों का मासिक वेतन 16 हजार से बढ़ाकर 50 हजार रुपये करने का बिल पास किया था। इस फैसले की लोगों ने बहुत आलोचना की थी। तब लोगों ने कहा था कि सांसद खुद को 3 गुना वेतन दे रहे हैं।हालांकि, कुछ नेताओं ने सैलरी 5 गुना तक बढ़ाने की मांग की थी। इसमें मुलायम सिंह यादव और लालू प्रसाद यादव शामिल थे। मुलायम और लालू सहित कई नेताओं का कहना था कि महंगाई बहुत बढ़ गई है इसलिए वेतन भी बढ़ना चाहिए। अब सरकार का मानना है कि 2018 में जो नियम बनाया गया है, वह सबसे अच्छा है। इससे सैलरी में बढ़ोतरी अपने आप हो जाती है।

बोफोर्स कांड को लेकर भाजपा ने एक बार फिर कांग्रेस को घेरा, राहुल और सोनिया गांधी से इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली।

भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर बोफोर्स कांड को लेकर कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उनसे संसद की सदस्यता से इस्तीफा देने की मांग की है।

दरअसल भाजपा नेता ने पत्रकार चित्रा सुब्रमण्यम की किताब 'बोफोर्स गेट' का हवाला देते हुए कहा है कि इसमें किए गए बड़े खुलासे बेहद गंभीर और चिंताजनक हैं। भाटिया ने आरोप लगाया कि इतालवी बिचौलिया ओत्तावियो क्वात्रोची ने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और उनकी पत्नी सोनिया गांधी से करीबी संबंधों का फायदा उठाकर रक्षा सौदों में हस्तक्षेप किया था।

भाजपा के आरोप हैं कि क्वात्रोची को राजीव गांधी सरकार में विशेष पहुंच मिली हुई थी। रक्षा सौदों की फाइलें क्वात्रोची तक पहुंचती थीं, जिससे वह अपनी पसंद की कंपनियों को फायदा दिला सके। कांग्रेस की यूपीए सरकार ने 2005 में क्वात्रोची के बैंक खातों को डीफ्रीज करने का आदेश दिया था। राफेल डील को यूपीए सरकार के समय अंतिम रूप नहीं दिया गया, क्योंकि गांधी परिवार उसमें कमीशन चाहता था।

भाजपा ने की मांग

गौरव भाटिया ने कहा, कि जब तक सोनिया गांधी और राहुल गांधी क्वात्रोची के साथ अपने संबंधों का पूरा खुलासा नहीं कर देते, उन्हें सांसद बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी सवाल किया कि वे भ्रष्ट गांधी परिवार के साथ खड़े हैं या देश के साथ?

कांग्रेस की प्रतिक्रिया का इंतजार

इस संबंध में अब तक कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक जवाब नहीं आया है। बहरहाल इस ताजा हमले से साफ है कि भाजपा बोफोर्स मुद्दे को फिर से गरमाना चाह रही है।

बिंजोर पोस्ट से पाकिस्तान भेजी गई पाकिस्तानी महिला हुमारा

पूछताछ में भारत में शरण लेने की इच्छा जाहिर की

अनूपगढ़।

भारत की सीमा में प्रवेश करने वाली पाकिस्तानी महिला को वापस देश भेज दिया गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पाकिस्तानी महिला हुमारा को बिंजोर पोस्ट से पाकिस्तान के सुपुर्द किया। इस दौरान बीएसएफ के अधिकारियों और पाकिस्तान रेंजर्स के अधिकारियों के बीच फ्लैग मीटिंग भी हुई। हुमारा 17 मार्च को भारतीय सीमा में प्रवेश कर गई थी। इसके बाद बीएसएफ ने महिला को वापस पाकिस्तानी सीमा में जाने के लिए कहा था, लेकिन महिला ने ऐसा करने से इंकार किया था, जिसके बाद बीएसएफ ने महिला को हिरासत में ले लिया था। इसके बाद बीएसएफ ने प्राथमिक पूछताछ की, इसके बाद श्रीगंगानगर स्थित संयुक्त जांच केंद्र भेजा गया। इस दौरान हुमारा से करीब पांच दिन तक विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने पूछताछ की। शुरुआती पूछताछ के दौरान हुमारा ने भारत में शरण लेने की इच्छा जाहिर कर कहा कि यदि पाकिस्तान वापस भेजा गया, तब उसकी जान को खतरा हो सकता है। महिला ने खुद के बारे में बताया था कि वह बलूचिस्तान के केच जिले के दगरी खान गांव की रहने वाली है। उसके पति का नाम वसीम है और उसके माता-पिता मूल रूप से कराची के रहने वाले हैं। सुरक्षाकर्मियों ने उसके पास से एक मोबाइल फोन और आभूषण बरामद किए थे।

जदयू का पोस्टर, जंगलराज का अत्याचार, भूलेगा नहीं बिहार

स्कैनर को स्कैन करते ही सामने आएगी जंगलराज की कहानी

पटना।

बिहार में साल के अंत में विधानसभा चुनाव संभावित है। चुनाव को लेकर अभी से ही राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में एक-दूसरे को घेरने का भी कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। वहीं बिहार में पोस्टर वार जारी हो गया है। राजद के बाद अब जदयू कार्यकर्ताओं ने नया पोस्टर जारी किया है। जदयू की ओर से जारी पोस्टर में जंगलराज का अत्याचार, भूलेगा नहीं बिहार लिखा है। पोस्टर में स्कैनर भी दिया गया है, इस स्कैन करते ही राजद शासनकाल के कानून-व्यवस्था की जानकारी मिलेगी। जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि यह किसने पोस्टर लगाया है, इसकी औपचारिक जानकारी नहीं है। लेकिन सच यह है कि नई पीढ़ी को जागरूक होना चाहिए। लालूवाद विचारधारा के चलते सामाजिक और राजनीतिक संकट कई सालों तक बिहार ने झेला है। बिहार के माथे पर कलंक का टीका लगा। उन्होंने

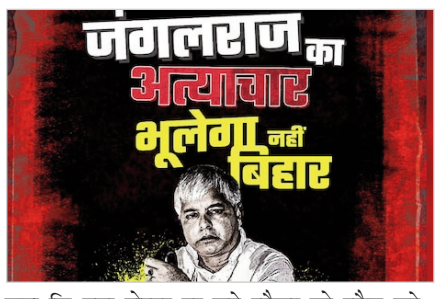

कहा कि युवा पोस्टर पर लगे स्कैनर को स्कैन करे, राजद शासनकाल का चेहरा बेनकाब होगा। ये बिहार की नई पीढ़ी के लिए आवश्यक है।

बता दें कि मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास के बाहर वक्फ और एनआरसी को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए पोस्टर लगाए गए। पोस्टर में मुख्यमंत्री नीतीश की तस्वीर भी है और लिखा गया है, तुम धोखेबाज हो, वादा करके...एनआरसी पर हम तुम्हारे साथ नहीं।

औरंगाबाद पुलिस को मिली बड़ी सफलता, स्पेशल ऑपरेशन में 8 नक्सली गिरफ्तार

औरंगाबाद,(ईएमएस)। पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में औरंगाबाद जिले में नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान में बड़ी सफलता हासिल हुई है। इस ऑपरेशन के तहत प्रतिबंधित नक्सली संगठन झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के 08 कुख्यात नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है।

एसपी अंबरीष राहुल ने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान नबीनगर के बेला खैरा निवासी बलि राम, बैरिया निवासी कृष्णा पाल, बीरबल बिगहा निवासी मिथलेश यादव, टंडवा थाना के पछियारी बेनी निवासी नरेश राम, झारखंड के पलामू जिले के जपला थाना के चंद्रगार निवासी छोटू सिंह, नबीनगर थाना के नावाडीह बड़ैन निवासी मिथलेश कुमार सिंह, कुड़वां-अंकोरहा निवासी छोटन कुमार एवं जसोईयां-मिर्जापुर निवासी लल्लू सिंह के रूप में हुई है। इन नक्सलियों की गिरफ्तारी माली और नबीनगर थाना क्षेत्र से की गई।

पुलिस के अनुसार, बलि राम इस संगठन का मुख्य संचालक है। उसके घर से 315 बोर की तीन रायफल, एक थारनेट, एक देशी रायफल, 13 जिंदा कारतूस, एक वॉकी-टॉकी, सात जोड़ी चितकबरा वर्दी, टोपी, बेल्ट, बैग और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए हैं। एसपी अंबरीष राहुल ने बताया कि पहले तीन नक्सलियों मिथलेश कुमार सिंह, छोटन कुमार और लल्लू सिंह को गिरफ्तार किया गया था, जिनकी निशानदेही पर पांच और नक्सलियों को पकड़ा गया। इस अभियान को पुलिस की एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है, जिससे क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

भारतवासियों को राम और रोटी दोनों ही चाहिएः नित्यानंद राय

पटना।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को कहा कि देशवासियों को राम भी चाहिए और रोटी भी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों मोर्चों पर काम कर रहे हैं। इस क्रम में उन्होंने बिहार के सीतामढ़ी में भव्य सीता मंदिर निर्माण की भी बात दोहराई। पटना में पत्रकारों से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण कराया और रोजगार देकर रोटी भी दी। उनके नेतृत्व में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। उन्होंने आगे कहा, भगवान राम के बिना मां सीता और मां सीता के बिना भगवान राम की कल्पना अधूरी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीता मईया के जन्मस्थान पर भव्य मंदिर निर्माण की घोषणा की है। पुनौरा धाम में भव्य मंदिर बनेगा, जो सनातन संस्कृति को और अधिक मजबूती देगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत विश्वगुरु बनेगा। उल्लेखनीय है कि बिहार के सीतामढ़ी जिले के पुनौरा गांव में मां जानकी जन्मभूमि मंदिर स्थित है, जिसे पुनौरा धाम के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि माता सीता का जन्म इसी स्थान पर हुआ था। इससे जुड़ी कथा के अनुसार, मिथिला में एक बार भयंकर अकाल पड़ा, जिसके चलते वहां के पुरोहितों ने राजा जनक को खेत में हल चलाने की सलाह दी। जब राजा जनक हल चला रहे थे, तब जमीन से मिट्टी का एक पात्र निकला, जिसमें माता सीता शिशु अवस्था में थीं। यह स्थान श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है।रामायण परिपथ के अंतर्गत अयोध्या आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक पुनौरा धाम भी पहुंचते हैं, ताकि जानकी की जन्मभूमि के दर्शन कर सकें। हाल ही में सरकार ने इस स्थल के आसपास बेहतर पर्यटकीय सुविधाओं के विकास एवं आधारभूत संरचना के निर्माण के लिए बड़ी राशि आवंटित की है।

पुणे में कचरे के ढेर में 6-7 नवजात शिशुओं के शव, प्लास्टिक के जार में बंद

पुणे।

महाराष्ट्र के पुणे जिले से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। पुणे के बोरावकेनगर इलाके में कचरे के ढेर में 6-7 नवजात शिशुओं के शव मिले है। नवजात शिशुओं के शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरु कर दी है। कचरे में शिशुओं के शव प्लास्टिक के जार में बंद थे। पुलिस ने बताया कि उन्हें 6-7 नवजात शिशु मिले। वे प्लास्टिक के जार में भरकर फेंके गए थे। पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन शिशुओं को यहां कौन और क्यों फेंक गया।

जानकारी के अनुसार एक शख्स सुबह टहलने निकला था। तभी उसकी नजर कूड़े के ढेर पर पड़ी।

शख्स को कचरे के ढेर में नवजात शिशुओं के शव दिखे। उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने इन शवों को कब्जे में ले लिया है। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। पुलिस ये देख रही हैं कि क्या यह मामला गर्भपात से जुड़ा है। पुलिस का कहना है कि वे दोषियों को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। वहीं इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। लोग हैरान हैं कि कोई ऐसा कैसे कर सकता है। पुलिस लोगों से अपील कर रही है कि वे शांति बनाए रखें और जांच में सहयोग करें।

डी मार्ट कर्मचारी ने मराठी बोलने से किया इंकार, मनसे कार्यकर्ताओं ने मारपीट की

मुंबई।

मुंबई के वर्सोवा के डी मार्ट स्टोर में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां मराठी भाषा को लेकर ग्राहकों और स्टोर के कर्मचारियों के बीच बहस हुई, जो बाद में हिंसा में बदल गई। यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब डी मार्ट के कर्मचारी ने ग्राहक से कहा कि वह मराठी नहीं बोल सकता और केवल हिंदी में बात करेगा। इससे नाराज ग्राहक और कर्मचारी के बीच तीखी बहस छिड़ गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं तक पहुंच गया।

वीडियो में देख सकते हैं कि मनसे के वर्सोवा अध्यक्ष संदेश देसाई ने अपने कुछ कार्यकर्ताओं के साथ डी मार्ट स्टोर का दौरा किया। वहां पहुंचकर उन्होंने डीमार्ट के कर्मचारी की पिटाई कर दी, जिसने मराठी बोलने से इंकार किया था। मनसे कार्यकर्ताओं का कहना था कि महाराष्ट्र में रहने वाले लोगों को मराठी भाषा का सम्मान कर बोलना आना चाहिए। यह घटना स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। कुछ लोगों का मानना है कि यह भाषा के सम्मान का मुद्दा है, जबकि कुछ इस इस गुंडागर्दी बताया हैं।

हालांकि, घटना के बाद भी पुलिस में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है। डी मार्ट प्रबंधन की ओर से भी इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह पहली बार नहीं है जब मनसे कार्यकर्ताओं ने मराठी भाषा को लेकर इस तरह की कार्रवाई की हो।

संक्षिप्त समाचार

एलन मस्क के 14वें बच्चे का पंजाब से खास कनेक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क हाल ही में 14वें बच्चे के पिता बने हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए अपने नवजात शिशु का नाम और उसकी जड़ों के बारे में जानकारी दी। मस्क ने बताया कि उनके बच्चे की जड़ें पंजाबी हैं और वह दिखने में भी पंजाबी जैसा लगता है। यह मस्क और उनकी चौथी पत्नी शिवॉन का चौथा बच्चा है और उन्होंने इसे सोने के दिल वाला बाजीगर बताया है। एलन मस्क की पत्नी शिवॉन का जन्म कनाडा के ओंटारियो में एक पंजाबी मां से हुआ था। वह गोरी हैं और बड़ी-बड़ी आंखों वाली हैं, जिनका यह गुण उनके नवजात शिशु को भी विरासत में मिला है। मस्क ने यह भी कहा कि उनका बच्चा दिखने में पंजाबी जैसा लगता है और उसकी जड़ें भी पंजाबी संस्कृति से जुड़ी हुई हैं। एलन मस्क के बच्चों के नाम हमेशा से ही अनोखे और विशेष रहे हैं। उनके सभी बच्चों के नाम विज्ञान, पौराणिक कथाओं और उनके व्यक्तिगत रुचियों से प्रेरित होते हैं। मस्क और शिवॉन ने अपने चौथे बच्चे का नाम सैल्डन लाइकगर्स रखा है। सैल्डन नाम विज्ञान कथा लेखक इसहाक असिमोव के फाउंडेशन सीरीज के एक पात्र हरि सैल्डन से लिया गया है। हरि सैल्डन एक गणितज्ञ और भविष्यवादी थे, जिन्होंने साइको हिस्ट्री का विकास किया था। एलन मस्क साइंस फिक्शन के शौकीन हैं और यही कारण है कि यह नाम उनके लिए प्रेरणादायक था।

अमेरिकी सीमा पर ड्रग तस्करी का खुलासा, लकड़ी के ढेर में छिपी थी कोकीन, कनाडाई ट्रक चालक गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीमा अधिकारियों ने डेट्रायट के एंबेसडर ब्रिज पर एक कनाडाई ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी तब हुई जब निरीक्षण के दौरान ट्रक में लकड़ी के ढेर के नीचे छिपाकर रखी गई 116 पाउंड कोकीन जब्त की गई। यह अमेरिका और कनाडा के बीच मादक पदार्थों की तस्करी के बढ़ते मामलों की ओर इशारा करता है अधिकारियों ने बताया कि नियमित जांच के दौरान लकड़ी के ढेर के नीचे तीन कचरा बैग बरामद किए गए, जिनमें कोकीन की 50 ईंटें रखी हुई थीं। इस बरामदगी के बाद ट्रक चालक को तुरंत हिरासत में ले लिया गया और ट्रक तथा ट्रेलर दोनों को जब्त कर लिया गया। यह मामला तब सामने आया जब कुछ ही महीने पहले, फरवरी में, एक अन्य कनाडाई ट्रक से 240 पाउंड कोकीन बरामद की गई थी। यह घटनाएं दर्शाती हैं कि सीमा पर ड्रग तस्करी के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है और अधिकारी लगातार चौकन्ने रहकर काम कर रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2025 की शुरुआत से अब तक मिशिगन के प्रवेश बंदरगाहों पर 1,300 पाउंड से अधिक कोकीन जब्त की जा चुकी है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि अमेरिका में अवैध ड्रग्स की तस्करी बड़े पैमाने पर की जा रही है और इसे रोकने के लिए कड़ी निगरानी की जा रही है। सीमा सुरक्षा एजेंसियां अब हाई-टेक स्कैनर और आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रही हैं ताकि अवैध रूप से देश में लाई जा रही नशीली दवाओं को पकड़ा जा सके। अधिकारियों का कहना है कि वे भविष्य में भी ऐसे मामलों पर कड़ी निगरानी बनाए रखेंगे।

जर्मनी का ऐतिहासिक निर्णय, 80 साल बाद रक्षा बजट को दो गुना करने का किया ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकियों और वैश्विक संकटों के बीच जर्मनी ने अपने रक्षा बजट को बढ़ाने का ऐलान किया है। यह कदम द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 80 वर्षों में जर्मनी द्वारा उठाया गया ऐसा पहला बड़ा कदम है। नवनिर्वाचित चांसलर फ्रेडरिक मत्ज ने घोषणा की है कि जर्मनी अपनी जीडीपी का 3.5 प्रतिशत रक्षा पर खर्च करेगा, जो वर्तमान बजट से लगभग दोगुना है। वर्तमान में जर्मनी का रक्षा बजट जीडीपी का करीब 2 प्रतिशत है। चांसलर मत्ज ने कहा कि यह निर्णय जर्मनी के सैन्य बल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए है और इसे ऐतिहासिक मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 2005 में जर्मनी का रक्षा बजट केवल 1.1 प्रतिशत था। 2024 में जर्मनी का रक्षा बजट 8.5 लाख करोड़ रुपए था, और नए बजट में इसको और बढ़ाने का प्रस्ताव है। नई योजना के तहत जर्मनी का ध्यान मुख्य रूप से आधुनिक सैन्य उपकरणों और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि सिर्फ बजट बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि इसके साथ सेना में जवानों की संख्या बढ़ाना भी जरूरी होगा। जर्मनी की सेना की स्थिति भर्ती में कमी के कारण चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। जर्मनी की सेना में वर्तमान में 181,174 सैनिक हैं, जो सेना के लक्ष्य से काफी कम है। इसके अलावा, सेना की औसत आयु 32 वर्ष से बढ़कर 34 वर्ष हो गई है। 2011 में जर्मनी ने अनिवार्य सैन्य सेवा को समाप्त कर दिया था, लेकिन अब इसको फिर से शुरू करने की मांग उठ रही है। नई योजना के तहत जर्मनी अगले 10 वर्षों में रक्षा क्षेत्र पर 56 लाख करोड़ रुपए खर्च करने की योजना बना रहा है। जर्मनी के अलावा, अन्य यूरोपीय देश जैसे फ्रांस, पोलैंड और ब्रिटेन भी अपने रक्षा बजट में वृद्धि कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यूरोप में अब एक नई सैन्य दौड़ शुरू हो गई है। जर्मनी के एक हालिया सर्वेक्षण के मुताबिक, 66 प्रतिशतलोग सेना के लिए खर्च बढ़ाने के पक्ष में हैं। नवनिर्वाचित चांसलर मत्ज ने कहा कि जर्मनी अब यूरोप में स्वतंत्रता और शांति की रक्षा के लिए एक प्रमुख नेतृत्व भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

मुफ्तखोरों को बचाने से नफरत है, यूरोप पर भड़ास निकाल रहे थे उपराष्ट्रपति

वाशिंगटन , एजेंसी। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों पर हमले को लेकर अमेरिका का एक वॉर प्लान लीक होने से हड़कंप मच गया है। ये वॉर प्लान सिग्नल ऐप पर एक ग्रुप में लीक हुआ जिसमें कथिततौर पर अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो सहित कई शीर्ष मंत्री और अधिकारी जुड़े हुए थे। ये अधिकारी यूरोप पर अपनी भड़ास निकालते हुए उन्हें मुफ्तखोर तक कह रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने हूती विद्रोहियों पर हमले की योजनाओं को लेकर सिग्नल मैसेजिंग ग्रुप में बातचीत की थी, जिसमें गलती से द अटलांटिक मैग्जीन के प्रधान संपादक जेफ्री गोल्डबर्ग भी जुड़े हुए थे। यह घटना उस समय सामने आई जब गोल्डबर्ग ने 24 मार्च को एक आर्टिकल पब्लिश किया, जिसमें उन्होंने इस असाधारण सुरक्षा उल्लंघन का जिक्र किया। इस घटना ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और गोपनीयता प्रोटोकॉल पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

व्हाइट हाउस से पत्रकार तक कैसे पहुंचा वॉर प्लान : गोल्डबर्ग ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि उन्हें 13 मार्च को सिग्नल ऐप पर हूथी पीसी स्मॉल ग्रुप नामक एन्क्रिप्टेड चैट ग्रुप में शामिल कर लिया गया था। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने अपने डिप्टी

एलेक्स वोंग को हूतियों पर अमेरिकी कार्रवाई के लिए टाइगर टीम तैयार करने का निर्देश दिया था। गोल्डबर्ग के अनुसार, 15 मार्च को यमन में हूथियों पर सैन्य हमले से कुछ घंटे पहले, अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ग्रुप चैट में ऑपरेशन की जानकारी शेयर की, जिसमें लक्ष्यों, हथियारों और हमले की रणनीति से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां थीं। हालांकि, गोल्डबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में इन विवरणों को प्रकाशित नहीं किया, लेकिन उन्होंने इसे चौंकाने वाली लापरवाही करार दिया। अधिकारियों के बीच क्या बातचीत हुई? द अटलांटिक ने अपनी रिपोर्ट में इस ग्रुप चैट के स्क्रीनशॉट शेयर किए हैं। इनके मुताबिक, ग्रुप में अमेरिका के शीर्ष अधिकारी शामिल थे, जिनमें उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, ष्टढ्ढ निदेशक जॉन रैटक्लिफ, खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड, ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट और व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ सूजी वाइल्स प्रमुख हैं। ग्रुप में उपराष्ट्रपति वेंस ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से सवाल करते हुए पूछा कि क्या यूरोप को अमेरिकी समर्थन मिलना चाहिए? उनका कहना था कि इस क्षेत्र में समुद्री व्यापार में व्यवधान से सबसे ज्यादा यूरोप को नुकसान होगा। उन्होंने लिखा अगर आपको लगता है कि हमला करना सही है, तो चलिए करते हैं। लेकिन मुझे यूरोप को फिर से बचाने से नफरत है। इसके जवाब में हेगसेथ ने लिखा, उपराष्ट्रपति मैं भी यूरोप की मुफ्तखोरी से नफरत करता हूं। यह दयनीय है। द अटलांटिक ने बताया कि जे.डी. वेंस के रूप में पहचाने गए व्यक्ति ने हमलों के समय को लेकर चिंता जताई और कहा कि उन्हें एक महीने के लिए टालने के पक्ष में मजबूत तर्क हैं। उन्होंने लिखा, मुझे यकीन नहीं है कि राष्ट्रपति को इस बात का अहसास है कि यह यूरोप पर उनके मौजूदा संदेश से कितना असंगत है। एक और जोखिम यह है कि हमें तेल की कीमतों में मध्यम से गंभीर उछाल देखने को मिल सकता है। इसके बाद, उन्होंने कहा कि वह ग्रुप के आम सहमति का समर्थन करने को तैयार हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस पूरे घटनाक्रम पर अनभिज्ञता जाहिर की। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। मैं द अटलांटिक का बड़ा फैन नहीं हूं। हालांकि, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि इस मामले की जांच जारी है और ट्रंप को इसकी जानकारी दे दी गई है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति की पत्नी के ग्रीनलैंड दौरे को लेकर बवाल

न्यूयॉर्क एजेंसी। अमेरिका की द्वितीय महिला उषा वेंस के ग्रीनलैंड दौरे को लेकर विवाद पैदा हो गया। दरअसल उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस ने रविवार को एलान किया कि वह इस हफ्ते ग्रीनलैंड की राष्ट्रीय डॉगस्लेड रेस, अवन्नाटा क्यूमुसेर्सु देखने जाएंगी और देश की सुंदर भूमि, संस्कृति और परंपराओं के बारे में जानेंगी। उनके इस एलान को लेकर डेनमार्क के राज्य प्रमुख ने कहा है कि उनके प्रस्तावित दौरे से बड़ी गड़बड़ी होगी। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूटे बोरुप एगेडे ने उनकी इस यात्रा का एकमात्र उद्देश्य शक्ति प्रदर्शन करना है। इससे हालात बिगड़ सकते हैं। प्रधानमंत्री एगेडे ने उषा वेंस की इस विजिट का बायकॉट करने का फैसला किया है। उन्होंने इस हाई प्रोफाइल विजिट को उकसाने वाला बताया है।

क्या है इस यात्रा का उद्देश्य : ग्रीनलैंड के कार्यालय के अनुसार, इस यात्रा का उद्देश्य ग्रीनलैंडिक संस्कृति और एकता का जश्न मनाना है, तथा वेंस और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल इस प्रतिष्ठित दौड़ का अनुभव करने के लिए उत्सुक हैं, जिसमें 37 मशर और 444 कुत्ते भाग लेते हैं।

ऊषा वेंस ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया वीडियो : भारतीय अमेरिकी द्वितीय महिला ने खुद को एक सांस्कृतिक राजदूत के रूप में प्रस्तुत किया। यात्रा के बारे में इंस्टाग्राम पर एक वीडियो में, उन्होंने कहा कि अमेरिका को कुत्तों की दौड़ का समर्थन करने पर गर्व है और वह अपने बच्चों के साथ इसके बारे में सब कुछ पढ़ रही हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले सालों में हमारे संबंध और मजबूत होंगे जो कुछ ग्रीनलैंडर्स के लिए अशुभ लग रहा था। अमेरिकी उपराष्ट्रपति की पत्नी और अमेरिकी राष्ट्रपति के सर्वोच्च सुरक्षा सलाहकार का यहां आना केवल एक निजी यात्रा के रूप में नहीं देखा जा सकता।

ट्रंप ने वेनेजुएला से ऑयल खरीदने वाले देशों पर लगाया 25 फीसदी टैरिफ

वाशिंगटन/ह्यूस्टन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर भारी टैरिफ लगाने का एलान किया है। इन देशों पर ट्रंप 25 फीसद टैरिफ दो अप्रैल से लगाएंगे। हालांकि अमेरिकी तेल उत्पादक कंपनी शेवरॉन को थोड़ी राहत दी गई है। ट्रंप प्रशासन ने कपनी को वेनेजुएला में अपना कामकाज बंद करने की आखिरी तारीख बढ़ा दी है। पहले अमेरिका के ट्रेजरी विभाग ने कंपनी को 30 दिन का समय दिया था। वेनेजुएला से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ के एलान से भारत और चीन जैसे देश प्रभावित हो सकते हैं। वेनेजुएला की सरकार ने कहा कि वेनेजुएला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए आक्रमण को दृढ़ता से और स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है। यह वेनेजुएला से तेल और गैस खरीदने वाले किसी भी देश पर 25 फीसद द्वितीयक टैरिफ लगाने का इरादा रखता है। यह मनमाना, अवैध और हताश करने वाला उपाय है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा कि वेनेजुएला के तेल के खरीदारों पर लगाया जाने वाला द्वितीयक टैरिफ 2 अप्रैल से लागू होगा। उन्होंने सोमवार को बाद में संवाददाताओं से कहा कि टैरिफ मौजूदा टैरिफ के अतिरिक्त होंगे। टैरिफ के एलान के बाद तेल की कीमतों में लगभग 1 फीसदी का इजाफा हुआ। फरवरी में चीन ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिदिन लगभग 503,000 बैरल कच्चा तेल और ईंधन वेनेजुएला से खरीदा।

130 साल पुराने हिंदू मंदिर की जगह बनेगी मस्जिद, प्रधानमंत्री करेंगे शिलान्यास

क्वालालंपुर, एजेंसी। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में एक 130 साल पुराने हिंदू मंदिर को हटाने की योजना बनाई गई है। इस स्थान पर अब एक नई मस्जिद बनाई जाएगी, जिसका शिलान्यास प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम करेंगे। इस फैसले से वहां की हिंदू और अन्य गैर-मुस्लिम आबादी में आक्रोश है। सरकार का कहना है कि मंदिर सरकारी जमीन पर बना था, जिसे 2014 में एक कपड़ा कंपनी जैकेल को बेच दिया गया था। देवी श्री पथराकालीअम्मन मंदिर 130 साल पुराना है और यह कुआलालंपुर के मध्य में स्थित है। यह मंदिर मस्जिद इंडिया के पास स्थित है, जो 140 साल पुरानी तमिल मुस्लिम मस्जिद के नाम पर बनी थी। हिंदू समुदाय का दावा है कि मंदिर का निर्माण मुस्लिम मस्जिद के 10 साल बाद हुआ था। ऐसे में इसे हटाने का निर्णय गलत बताया जा रहा है।

कैसे हुई मंदिर की जमीन की बिक्री : मलेशिया सरकार ने 2014 में इस जमीन को जैकेल नामक कंपनी को बेच दिया। इस कंपनी के दिवंगत संस्थापक मोहम्मद जैकेल अहमद ने इस भूमि को खरीदकर वहां मस्जिद बनाने की इच्छा जताई थी। उनका उद्देश्य था कि इसे मुस्लिम समुदाय के लिए उपहार के रूप में दिया जाए। हालांकि, इस निर्णय पर बीते कुछ हफ्तों में ही तीव्र प्रतिक्रिया सामने आने लगी।

मंदिर हटाने पर क्यों हो रहा विरोध : लॉयर्स फॉर लिबर्टी के कार्यकारी निदेशक जैद मालेक ने

इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की जल्दबाजी पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि मंदिर प्रबंधन, जैकेल और सिटी हॉल के बीच अब भी चर्चा जारी है और ऐसे में मस्जिद का शिलान्यास करना उचित नहीं है। सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे को लेकर बहस तेज हो गई है। लोगों का मानना है कि इस कदम से धार्मिक भेदभाव उजागर होता है।

प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की सफाई : प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा है कि मंदिर कानूनी रूप से मान्य नहीं था और इसे हटाया जाएगा। हालांकि, सरकार मंदिर को स्थानांतरित करने और उसके लिए दूसरी भूमि देने की योजना पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वह खुद को किसी मंदिर को गिरवाने वाला प्रधानमंत्री नहीं मानते और इस मामले को सौहार्दपूर्ण तरीके से हल किया जाएगा।

हिंदू नेताओं की प्रतिक्रिया : जातीय भारतीय पार्टी उरीमाई के पी रामासामी ने इस निर्णय की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह मंदिर मलेशिया की स्वतंत्रता से पहले से स्थापित है और इसे हटाना धार्मिक भेदभाव को दर्शाता है। उन्होंने सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की। कुछ मलय मुस्लिमों ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि चूंकि भूमि अब निजी स्वामित्व में है, इसलिए जैकेल कंपनी को अपनी योजना पूरी करने की अनुमति मिलनी चाहिए।

भारत से हमें खतरा, चुनाव में दे सकता दखल

कनाडा ने लगाया आरोप, विदेश मंत्रालय पहले ही दे चुका मुंहतोड़ जवाब

ओटावा , एजेंसी। कनाडा में प्रधानमंत्री बदल गया, लेकिन भारत के खिलाफ आग उगलना आज भी जारी है। अब कनाडा ने भारत पर फिर से बेबुनियाद आरोप लगाए हैं। कनाडा की खुफिया एजेंसी ने कहा कि भारत और चीन उसके आगामी आम चुनाव में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर सकते हैं। यह आरोप दोनों देशों के साथ उसके बिगड़ते संबंधों के बीच आया है।

खुफिया एजेंसी ने लगाए आरोप : 28 अप्रैल को होने वाले चुनाव पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा में संचालन की उप निदेशक वैनेसा लॉयड ने कहा कि कुछ दुश्मन चुनावों में हस्तक्षेप करने के लिए एआइ का तेजी से लाभ उठा रहे हैं, जिसका जिक्र नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने की थी।

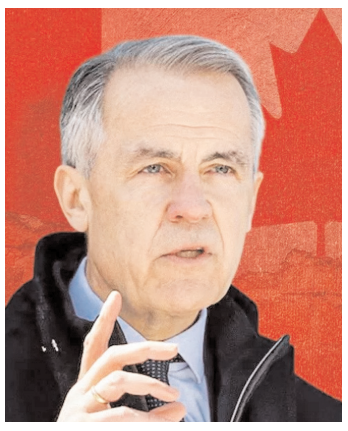

भारत और चीन कर सकते चुनाव में हस्तक्षेप : वैनेसा लॉयड ने कहा कि इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना इस मौजूदा

चुनाव में कनाडा की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने के लिए एआइ-सक्षम उपकरणों का उपयोग करेगा। लॉयड ने आगे कहा कि चीन अपने हितों के अनुकूल कई नेरेटिव को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सकता है। लॉयड ने आगे कहा कि चीन कनाडा में चीनी जातीय, सांस्कृतिक और धार्मिक समुदायों को भ्रामक साधनों का उपयोग करके लक्षित करता है।

भारत के पास मंशा और क्षमता दोनों : लॉयद ने चुनाव में हस्तक्षेप के आरोप भारत पर भी लगाए। उन्होंने कहा कि हमने यह भी देखा है कि भारत सरकार के पास अपने भू-राजनीतिक प्रभाव को स्थापित करने के लिए कनाडाई समुदायों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप करने की मंशा और क्षमता दोनों है। जनवरी में भारत ने ओटावा के चुनावों में कुछ विदेशी सरकारों द्वारा हस्तक्षेप के कनाडाई आयोग की रिपोर्ट द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया था। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में भारत के आंतरिक मामलों में कनाडा के हस्तक्षेप पर भी पलटवार किया था। मंत्रालय ने कहा था कि हम भारत पर रिपोर्ट के आरोपों को खारिज करते हैं और उम्मीद करते हैं कि अवैध प्रवास को सक्षम करने वाली सहायता प्रणाली को आगे भी समर्थन नहीं दिया जाएगा।

एक दिन में बिक गए 1000 गोल्ड कार्ड!

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ वक्त पहले गोल्ड कार्ड स्कीम पेश की थी, जिसमं अमेरिका में 5 मिलियन डॉलर का निवेश करने वाले लोगों को परमानेंट रेजीडेंसी और ऑप्शनल सिटीजनशिप ऑफर की जाती है। ऐसा लगता है कि ट्रंप की ये पॉलिसी काफी हिट होने वाली है। यूएस कॉमर्स सेक्रेटरी के दावों से तो ऐसा ही लगता है। दरअसल अमेरिकी कॉमर्स सेक्रेटरी होवर्ड लुटनिक ने दावा किया है कि अमेरिकी सरकार ने एक ही दिन में 1000 गोल्ड कार्ड बेच दिए हैं।

जल्द होगी ऑफिशियल घोषणा : डोनाल्ड ट्रंप के गोल्ड कार्ड स्कीम की अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन दावा किया जा रहा है कि अगले दो हफ्तों में इसे आधिकारिक तौर पर रोलआउट कर दिया जाएगा। लुटनिक ने कहा कि एलन मस्क इसके लिए सॉफ्टवेयर तैयार कर रहे हैं।

एक पॉडकास्ट में बात करते हुए लुटनिक ने दावा किया कि गोल्ड स्कीम पाने के लिए कई लोग कतार में है। उन्होंने कहा कि अभी योजना शुरुआती चरण में है, लेकिन फिर भी कल मैंने 1000 गोल्ड कार्ड बेच दिए हैं। अमेरिका के लिए बड़ा बदलाव लुटनिक ने पॉडकास्ट में कहा कि अगर मैं अमेरिका का नागरिक

नहीं होता, तो मैं अपने पत्नी और बच्चों के लिए गोल्ड कार्ड खरीदता। अगर कभी देश में आपातकालीन स्थिति पैदा होती, तो मैं सीधा अमेरिका आ जाता।

अगर देखा जाए, तो लुटनिक का दावा अमेरिका की इकोनॉमी के लिए काफी महत्वपूर्ण बदलाव वाला साबित हो सकता है। अगर हर रोज अमेरिका में 1000 गोल्ड कार्ड बिक जाते हैं, तो इससे अर्थव्यवस्था को काफी बल मिलेगा। गोल्ड कार्ड के क्या फायदे? अमेरिका में गोल्ड कार्ड खरीदने के लिए 5 मिलियन डॉलर का निवेश करना होगा। गोल्ड कार्ड धारकों को कभी भी अमेरिका में आने और रहने का अधिकार मिलेगा। गोल्ड कार्ड धारक अमेरिका में नागरिकता भी हासिल कर सकते हैं, लेकिन यह वैकल्पिक है। गोल्ड कार्ड होल्डर्स को ग्लोबल टैक्स से छूट मिलेगी।

एलन मस्क की स्पेस एक्स को नासा और पेंटागन से मिले बड़े कॉन्ट्रैक्ट्स

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार में अरबपति कारोबारी एलन मस्क का प्रभाव कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बढ़ता हुआ नजर आया। मस्क की कंपनी स्पेस एक्स को कई बड़े सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स मिल रहे हैं जिनमें से कुछ करोड़ों रुपए के हैं। अमेरिकी डिफेंस विभाग का मानना है कि स्पेस एक्स के जरिए दुनिया भर में हथियारों की सप्लाई की जा सकती है। इसके अलावा मस्क की कंपनी के स्टार लिंक सैटेलाइट इंटरनेट नेटवर्क की मदद से अमेरिका के ग्रामीण इलाकों में ब्रॉडबैंड नेटवर्क बिछाने का एक बड़ा प्रोजेक्ट चल रहा है जिसकी लागत लगभग 3.59 लाख करोड़ रुपए है। हालांकि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के समय इस प्रोजेक्ट से स्पेस एक्स को बाहर रखा गया था। वहीं मस्क ने सरकारी दक्षता विभाग का प्रमुख बनने के बाद काफी बदलाव किए। उन्होंने लगभग एक लाख कर्मचारियों को निकाल दिया और कई एजेंसियों को बंद कर दिया। इसके अलावा मस्क के प्रभाव में नासा ने अपना ध्यान मंगल ग्रह पर केंद्रित किया है और अब स्पेस एक्स को मंगल पर मानव भेजने का सरकारी कॉन्ट्रैक्ट मिलने की संभावना जताई जा रही है। व्हाइट हाउस और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन जैसे महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तरों में हाल ही में स्टार लिंक सैटेलाइट डिश लगा दी गई हैं जो स्पेस एक्स की बढ़ती ताकत को दर्शाती हैं। बता दें कि जब ट्रम्प की दूसरी पारी शुरू हुई तब स्पेस एक्स ने सरकारी ठेकों में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी शुरू कर दी थी। 2024 में कंपनी को 32 हजार करोड़ रुपए के 344 कॉन्ट्रैक्ट मिले थे। अमेरिकी डिफेंस विभाग (पेंटागन) और नासा के साथ स्पेस एक्स के कॉन्ट्रैक्ट्स में भी इजाफा हुआ है। ट्रम्प सरकार

ने संचार सिस्टम और सैटेलाइट जैसे क्षेत्रों में निजी कंपनियों को प्राथमिकता देने की नीति बनाई थी जिसका फायदा स्पेस एक्स को हुआ। इन क्षेत्रों में स्पेस एक्स का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है। वहीं स्पेस एक्स ने नए रॉकेट लॉन्च पैड बनाने और सरकारी अंतरिक्ष स्टेशनों से ज्यादा रॉकेट लॉन्च करने के लिए चार नए प्रोजेक्ट्स की मंजूरी मांगी है। इसके अलावा कंपनी ने अपनी स्टार लिंक सैटेलाइट सेवाओं के लिए और अधिक रेडियो स्पेक्ट्रम की मांग की है। इस महीने एक ऐसे सौदे को मंजूरी भी मिल चुकी है। इससे पहले ट्रम्प ने एफसीसी (फेडरल कम्युनिकेशंस कमिशन) के चेयरमैन को हटाकर मस्क के समर्थक ब्रेंडन कार को नया प्रमुख नियुक्त किया था। इस प्रकार मस्क की कंपनी स्पेस एक्स का अमेरिका की सरकार के साथ बढ़ता हुआ संबंध और सरकारी ठेके कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहे हैं और भविष्य में भी ये प्रोजेक्ट्स और ठेके कंपनी की सफलता को और बढ़ा सकते हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उधना क्षेत्र के पूर्व कॉर्पोरेटर प्रकाश देसाई RTI का दुरुपयोग करते हुए पकड़ा गया

SOG की टीम ने उसे 3 लाख रुपये लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में कथित RTI उगाही करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इस बार कोई आम शख्स नहीं, बल्कि उधना क्षेत्र के पूर्व कॉर्पोरेटर प्रकाश देसाई RTI का दुरुपयोग कर उगाही करते हुए पकड़ा गया है। SOG की टीम ने उसे 3 लाख रुपये लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

सूरत शहर में कथित RTI उगाही करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इस बार कोई आम शख्स नहीं, बल्कि उधना क्षेत्र के पूर्व कॉर्पोरेटर प्रकाश देसाई RTI का दुरुपयोग कर उगाही करते हुए पकड़ा गया है। SOG की टीम ने उसे 3 लाख रुपये लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

प्रकाश देसाई ने इस मामले में 'थिएटर' और 'टिकट' नाम के कोडवर्ड तैयार किए थे। जिसमें 'थिएटर' का इस्तेमाल धरने के लिए और 'टिकट' का इस्तेमाल उगाही की रकम के लिए किया जाता था। एक लाख रुपये के लिए एक 'टिकट' कोडवर्ड इस्तेमाल किया जाता था। इसी कोडवर्ड के आधार पर लियो क्लासेस के संचालक से 4.50 'टिकट' (4.50 लाख रुपये) की मांग की गई थी।

प्रकाश देसाई ने लियो क्लासेस के खिलाफ कई बार RTI दायर की और मनपा की मुख्य कार्यालय के बाहर धरने पर बैठने की धमकी दी थी। मनपा की जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि कोई अवैध निर्माण नहीं था, फिर भी वह दबाव बनाता रहा। उसने RTI को धमकी का हथियार बनाकर उगाही की मांग की। आखिरकार, जब वह 3 लाख की 'टिकट' ले रहा था, तब स्क्वॉड ने जाल बिछाकर उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

प्रकाश देसाई का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह घर के झूले पर आराम से बैठकर RTI के दबाव की बात करता नजर आ रहा है। इस वीडियो में वह उगाही को लेकर चर्चा कर रहा है। SOG पुलिस ने पूर्व कॉर्पोरेटर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पूर्व कॉर्पोरेटर की गिरफ्तारी के लिए SOG की टीम प्रकाश देसाई के घर की छत पर तैनात थी, जिसकी जानकारी उसे नहीं थी। जैसे ही प्रकाश देसाई ने उगाही की रकम ली, शिकायतकर्ता के इशारे पर अचानक SOG के एक पुलिसकर्मी ने जान जोखिम में डालते हुए छत से उतरकर उसकी बालकनी के अंदर प्रवेश किया। यह नजारा किसी फिल्म के दृश्य जैसा लगा।

इस दौरान प्रकाश देसाई की गिरफ्तारी के लिए SOG के डीसीपी राजदीपसिंह नकुम और पीआई सहित अन्य पुलिसकर्मी उसके घर के नीचे मौजूद थे। छत से एक पुलिसकर्मी प्रकाश देसाई के घर के अंदर दाखिल हुआ, जबकि दूसरी ओर, नीचे से SOG की टीम भी ऊपर पहुंची। आखिरकार, झूले पर बैठे प्रकाश देसाई को गिरफ्तार कर लिया गया।

आप ने ड्रग्स मामले को लेकर गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पिछले तीन वर्षों में पूरे गुजरात में जिस तरह से ड्रग्स घोटाले का पर्दाफाश हो रहा है, उससे यह स्पष्ट हो रहा है कि गुजरात में लंबे समय से ड्रग्स आ रहा था। लेकिन अब तक यह खुलासा नहीं किया गया है कि यह ड्रग्स किसके जरिए सप्लाई किया जाता था और इसे कहां भेजा जाता था। इसी को लेकर आम आदमी पार्टी ने गृह राज्य मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

गुजरात का युवावर्ग धीरे-धीरे ड्रग्स की लत में फंसता जा रहा है। कॉलेज के छात्रों से लेकर राज्य के युवा अब ड्रग्स के आदी होते जा रहे हैं। वहीं, गृह विभाग भी बड़े पैमाने पर ड्रग्स बरामद कर रहा है। इसी को लेकर आम आदमी पार्टी ने पकड़ी गई ड्रग्स से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण सवालों पर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और ड्रग्स के मामले में अपनी मांगें रखीं।

आम आदमी पार्टी के नेता विपुल सुहागिया ने कहा कि जब गृह विभाग द्वारा बड़ी मात्रा में ड्रग्स पकड़ी जा रही है, तब एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है कि सरकार ने अब तक यह खुलासा क्यों नहीं किया कि ड्रग्स की सप्लाई कौन कर रहा था और इसे कहां भेजा जा रहा था। गुजरात में ड्रग्स पहुंचाने वाले बड़े माफिया कौन हैं, इस पर भी अब तक गृह विभाग ने कोई खुलासा नहीं किया है। अगर राज्य के गृह मंत्री ड्रग्स मामले में स्पष्ट जानकारी नहीं दे सकते, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

सूरत के हनीट्रैप मामले में महिला गिरफ्तार होने के बाद बड़ा खुलासा

प्रवीण भालाला ने अपनी ऑफिस में काम करने वाली महिला का इस्तेमाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के हनीट्रैप मामले में महिला गिरफ्तार होने के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। व्यापारी को फंसाकर 14 लाख रुपये वसूलने के लिए प्रवीण भालाला ने अपनी ऑफिस में काम करने वाली महिला का इस्तेमाल किया था।

सूरत में 2015 में सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण भालाला और एक अन्य युवती ने मिलकर एक युवक के साथ हनीट्रैप रचकर समझौते के नाम पर 14 लाख रुपये वसूल लिए थे। पीड़ित युवक से प्रवीण भालाला ने दोस्ती कर उसका विश्वास जीता था। हालांकि, शिकायतकर्ता ने 10 साल बाद हिम्मत जुटाकर पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में वराछा पुलिस ने महिला आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की। मामले में नया खुलासा हुआ है कि व्यापारी को फंसाने के लिए प्रवीण भालाला ने अपनी ऑफिस में काम करने वाली महिला की मजबूरी का फायदा उठाकर उसका उपयोग किया था।

सूरत में सामाजिक नेता बनकर घूमने वाले प्रवीण भालाला की सच्चाई धीरे-धीरे सामने आ रही है। 2014 से उसके मित्र रहे और लेस पट्टी का कारोबार करने वाले व्यापारी को प्रवीण भालाला ने हनीट्रैप में फंसा लिया था। 2014-15 में लेस पट्टी के कारखानदारों ने अपने अधिकारों के लिए सूरत लेस पट्टी एसोसिएशन का गठन किया था। उस दौरान प्रवीण भालाला से मुलाकात हुई थी। भालाला को एसोसिएशन का अध्यक्ष बनाया गया था। यह मुलाकात दोस्ती में बदल गई और यह युवक, कारखानदार व अन्य मित्र भालाला की पूणा-बॉम्बे मार्केट रोड स्थित छीतुनगर की लक्ष्मी पैलेस ऑफिस में रात में बैठते थे। अगस्त 2015 में, जब हितेश ने नई कार खरीदी, उसके कुछ महीनों बाद एक अज्ञात युवती ने खुद को लोन एजेंट बताकर उसे फोन किया। अगले ही दिन युवती ने उसे अश्लील वीडियो भेजे थे।

व्यापारी युवती से मिलने डी.आर. वर्ल्ड के पास गया था जब व्यापारी ने प्रवीण भालाला को बताया कि एक महिला उसे ऐसे वीडियो भेज रही है, तो भालाला ने कहा कि उसके पास ऐसी तीन-चार मित्र हैं और उसने व्यापारी को उनसे मिलने और बातचीत करने के लिए भेजा। भालाला ने उसे यह भी कहा कि वह इस युवती को अपने फार्म पर भी ले जाए। भालाला के कहने पर व्यापारी युवती से मिलने डी.आर. वर्ल्ड के पास गया। वहां से दोनों होटल गए, लेकिन युवती ने पेट दर्द का बहाना बनाकर वहां से जाने की बात कही। इसके बाद पूरा खेल प्रवीण भालाला ने रचा और व्यापारी से 14 लाख रुपये वसूल लिए। पुलिस ने महिला आरोपी को गिरफ्तार किया था

विरोध प्रदर्शन में धक्का-मुक्की के बाद 9 पार्षदों पर दंगे (रायटिंग) का मामला दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के कमिश्नर कार्यालय के बाहर आम आदमी पार्टी (AAP) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान धक्का-मुक्की और हंगामा हुआ, जिसके बाद नगर निगम के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर ने शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने AAP के 9 पार्षदों के खिलाफ दंगा भड़काने (रायटिंग) और अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि प्रदर्शन के दौरान पार्षदों ने सुरक्षा गार्डों से धक्का-मुक्की की और जबरन नगर निगम में घुसने की कोशिश की।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों से जल्द पूछताछ की जाएगी।

AAP पार्षदों ने नगर आयुक्त (म्यूनिसिपल कमिश्नर) पर सवालों के जवाब न देने का आरोप लगाते हुए उग्र विरोध प्रदर्शन किया।

इस दौरान नगर आयुक्त और कलेक्टर की बैठक चल रही थी, जिसमें AAP के पार्षद जबरन घुसने का प्रयास कर रहे थे।

पुलिस ने इस घटना के बाद विपक्षी नेता और अन्य पार्षदों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

9 पार्षदों पर दंगे (रायटिंग) का मामला दर्ज सूरत नगर निगम (SMC) के मुख्य सुरक्षा अधिकारी नजर जाग्रत नायक की शिकायत पर AAP के 9 पार्षदों के खिलाफ लालगेट पुलिस स्टेशन में दंगा (रायटिंग) का केस दर्ज किया गया है।

आरोप है कि AAP पार्षदों ने सुरक्षा गार्ड और महिला गार्ड के साथ धक्का-मुक्की की और नगर निगम कर्मचारियों के काम में बाधा पहुंचाई। प्रदर्शन के दौरान AAP पार्षदों ने पुलिस पर शराब के नशे में होने का आरोप भी लगाया।

शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और क़ानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है।

शराब की तस्करी का अनोखा तरीका फेल

सूरत में बूटलेगर की चाल कार की सीट और लाइट में छुपाई थी शराब

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की पुना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार में गुप्त तहखाना बनाकर शराब की तस्करी करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार से अलग-अलग ब्रांड की विदेशी शराब की 39 बोतलें जब्त की हैं। आरोपियों ने कार की सीट के अंदर एक गुप्त तहखाना बनाया था और पीछे की लाइट के अंदर भी एक छुपा हुआ स्थान तैयार किया था, जिसमें शराब की बोतलें रखी गई थीं। पुलिस ने जब कार की जांच की, तो उसमें से कुल 39 शराब की बोतलें बरामद हुईं।

पुलिस ने पुना इंटरसिटी सोसाइटी के पास, सार्वजनिक सड़क से आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम हरिसिंह मानसिंह सिसोदिया, हरिसिंह सोहनसिंह सिसोदिया और हुक्मसिंह महेंद्रसिंह चुडावत हैं। पुलिस ने 68,000 रुपये की शराब, तीन लाख रुपये की कार और तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं, जिससे कुल 3.98 लाख रुपये से अधिक का माल जब्त किया गया है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है कि यह शराब कहां से लाई गई थी और इसे किसे सप्लाई किया जाना था।

सूरत में शराब तस्करी के लिए बूटलेगरों ने नया तरीका अपनाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की सतर्कता के चलते उनकी चाल नाकाम हो गई।

पुलिस ने एक कार को रोका, जिसकी सीट और लाइट के अंदर अवैध रूप से शराब छुपाई गई थी। बूटलेगरों को लगा था कि यह तरीका पुलिस की नजरों से बच जाएगा, लेकिन तलाशी के दौरान पूरा जखीरा बरामद हो गया।

पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की।

अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ये शराब कहां से लाई गई थी और इसे कहां सप्लाई किया जाना था। आगे की कार्रवाई जारी है।

कार में छुपाकर ला रहे थे शराब, पुलिस ने तीन बूटलेगरों को पकड़ा

सूरत में अवैध शराब तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, जहां बूटलेगर नए-नए तरीके अपना रहे हैं। इस बार **पुना पुलिस ने एक कार में छुपाकर ले जाई जा रही शराब पकड़ ली। कार में बनाया था गुप्त चोरखाना

पुलिस जांच में सामने आया कि कार में खास चोरखाना बनाकर शराब की तस्करी की जा रही थी।पुलिस ने शक के आधार पर वाहन रोका और तलाशी ली तो 68,000 की अवैध शराब बरामद हुई।

पुलिस ने शराब, कार और अन्य सामान मिलाकर कुल 3,98,000 का माल जब्त किया।

तीनों आरोपियों से पूछताछ जारी है कि शराब कहां से लाई गई थी और किन लोगों तक पहुंचाई जानी थी। पुलिस इस रैकेट के बड़े नेटवर्क की जांच कर रही है।

सूरत में शराब की तस्करी के लिए बूटलेगर नए-नए तरीके अपनाते रहते हैं। पुना पुलिस ने कार में गुप्त तहखाना बनाकर शराब की तस्करी करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 68,000 रुपये की शराब समेत कुल 3,98,000 रुपये का सामान जब्त किया है। फिलहाल, पुलिस इस दिशा में जांच कर रही है कि यह शराब कहां से लाई गई थी और इसे किसे सप्लाई किया जाना था।

गोदाम से 9.54 लाख का विदेशी शराब का जखीरा जब्त,दो आरोपी फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कामरेज के नविपरडी गांव में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक गोदाम से 9.54 लाख रुपये की विदेशी शराब का जखीरा जब्त किया है। इस मामले में दो आरोपी फरार हो गए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

सूरत ग्रामीण पुलिस की कामरेज तालुका में बड़ी कार्रवाई- गोदाम से 9.54 लाख की विदेशी शराब जब्त, दो आरोपी फरार सूरत ग्रामीण पुलिस ने कामरेज तालुका के नविपरडी गांव की सीमा में स्थित गोवर्धन इंडस्ट्रियल एस्टेट में छापा मारकर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर शैलेषभाई गोविंदभाई कोठडिया के गोदाम से भारतीय निर्मित विदेशी शराब (IMFL) का भारी जखीरा बरामद किया गया है। एलसीबी सूरत ग्रामीण के पुलिस सब-इंस्पेक्टर एल. जी. राठौड़ को सूचना मिली थी कि विनोदकुमार कीर और किशनलाल मनोहरलाल ने गोदाम किराए पर लेकर बड़ी मात्रा में विदेशी शराब इकट्ठा की है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने छापा मारा।

छापेमारी के दौरान पुलिस को अलग-अलग ब्रांड की व्हिस्की, वोडका और बीयर की कुल 5,148 बोतलें मिलीं। जब्त की गई शराब की कुल कीमत 9,54,144 आंकी गई है। छापे के दौरान गोदाम में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था।

इस मामले में दो आरोपी फरार हैं - 1.विनोदकुमार कीर (निवासी: शिव डेवलपर सुंदरम बिल्डिंग, वाव, कामरेज)

2. किशनलाल मनोहरलाल (निवासी: चंद्रदर्शन रेजिडेंसी, वाव, कामरेज)

पुलिस ने दोनों आरोपियों को वांटेड घोषित कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।